www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 40.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 100.700g
चांदी 97.000kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 विश्व समुदाय का विचित्र रवैया, पाकिस्तान की हरकतों पर हैरान क्यों नहीं अमेरिका?

गाजा में खाना बांटते समय फिर गोलीबारी, 32 मौतें 06

वर्ष :17 | अंक :61 | प्रयागराज, सोमवार, 02 जून, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दलित लड़की की शादी मैरिज हॉल में होने पर हमला, 24 लोगों पर मुकदमा दर्ज

बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र में कथित तौर पर दलित वर्ग की एक लड़की की शादी का समारोह एक बारात घर में आयोजित करने के विरोध में वहां उपस्थित लोगों पर हमला कर दिया गया। इस घटना में दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए और इस सिलसिले में कुल 24 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से रविवार को बताया कि रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के रसड़ा कस्बे के मिशन रोड निवासी राघवेन्द्र गौतम ने दर्ज मुकदमे में बताया है कि 30 मई को उनकी बहन की शादी कस्बे के एक मैरिज हॉल में हो रही थी। शिकायत के मुताबिक बारात आने के बाद रात करीब साढ़े दस बजे मल्लाह टोली के अमन साहनी, दीपक साहनी, राहुल और अखिलेश नामक लोग 15–20 अज्ञात लोगों के साथ लाठी–डंडे, रॉड और पाइप लेकर आए और गाली–गलौज करने लगे, साथ ही कहा कि दलित जाति के होकर भी मैरिज हॉल में शादी कैसे कर रहे हो। सूत्रों ने बताया कि गौतम के मुताबिक इसके बाद हमलावरों ने शादी समारोह में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट, तीन बच्चों समेत चार लोग घायल

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में शनिवार दोपहर एक गोदाम में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण तीन नाबालिग भाइयों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब साढ़े चार बजे एक भंडारण एवं मरम्मत इकाई में हुआ, जहां मरम्मत कार्य के दौरान कथित तौर पर सिलेंडर फट गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान तीन भाइयों साकिब (7), अब्बास (9) और राजा (3) के अलावा अरशद (22) के रूप में हुई। तीनों बच्चे अफसार नामक व्यक्ति के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि साकिब 90 प्रतिशत, अब्बास और राजा 85 प्रतिशत तथा अरशद 70 प्रतिशत तक झुलस गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय अरशद गोदाम के अंदर काम कर रहा था। विस्फोट की सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चार मंजिला आवासीय इमारत के भूतल पर एक दुकान में सीएनजी सिलेंडर रखे जा रहे थे और उनकी मरम्मत की जा रही थी। मरम्मत कार्य के दौरान एक सिलेंडर कथित तौर पर फट गया, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। पुलिस ने बताया कि विस्फोट इतना जोरदार था कि गोदाम का लोहे का गेट टूट गया।

असम से सिक्किम तक 'जल प्रलय' बाढ़ और भूस्खलन से 30 की मौत

सिक्किम में फंसे 1500 से अधिक पर्यटक; मणिपुर में 883 घर तबाह, आईएमडी ने दी कड़ी चेतावनी

चेतावनी

भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में पश्चिमी त्रिपुरा और खोवाई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और बाढ़ के कारण भूस्खलन समेत कई समस्याओं को लेकर चेतावनी जारी की.

एजेंसी

अरूणाचल प्रदेश। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाढ़ आ गई है. बाढ़ के कारण उत्तर-पूर्वी राज्यों में सड़क परिवहन, रेल और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं. वहीं, असम, त्रिपुरा, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश में बाढ़ के कारण 30 लोगों की जान जा चुकी है. भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में पश्चिमी त्रिपुरा और खोवाई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. इसके अलावा बाढ़ के कारण सड़क परिवहन, भूस्खलन, फसलों की बबार्दी और राज्यों में बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर चेतावनी दी है.

केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की बात

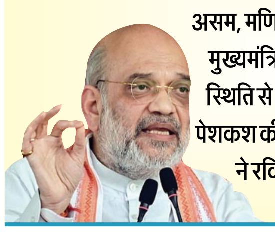

उत्तर–पूर्वी राज्यों में बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम, मणिपुर, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से स्थिति की जानकारी ली है और इस स्थिति से निपटने के लिए हर संभव सहायता देने की पेशकश की है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार (1 जून, 2025) को केंद्रीय गृह मंत्री से बातचीत की जानकारी साझा की.

त्रिपुरा में 1300 परिवारों को राहत शिविरों में किया गया शिफ्ट

त्रिपुरा में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को लेकर देखते हुए कुल 1300 परिवारों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है. इसके अलावा इम्फाल में सुरक्षा बलों के जवान बारिश और बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने में जुटी है. अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश से हुए भूस्खलन के कारण मुख्य सड़क अवरुद्ध हुई हैं और शनिवार को उत्तरी सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में लगभग 1,500 पर्यटक फंस गए। सिक्किम के मंगन जिले में तीस्ता नदी में बृहस्पतिवार रात एक वाहन के गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, दो लोग घायल हो गए और आठ अन्य लोग लापता हो गए थे। मणिपुर में भारी बारिश ने कहर बरपाया है। पिछले 48 घंटों में राज्य भर में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

> **भारी बारिश के कारण पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्से बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। बाढ़ के कारण असम के 15 से अधिक जिलों में 78,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में राज्य भर में भारी बारिश से आई बाढ़ के कारण सड़क परिवहन, ट्रेन और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दो दिनों में अरुणाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में नौ लोगों की मौत हुई है।**

कोलकाता में अमित शाह ने भरी हुंकार

ममता पर लगाया मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप, मुर्शिदाबाद दंगों पर किया बड़ा दावा

> **बनर्जी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, 'वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक–प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।'**

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन अधिनियम का 'विरोध' कर रही हैं। इसके अलावा, गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगे 'राज्य प्रायोजित' थे। बनर्जी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, 'वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के

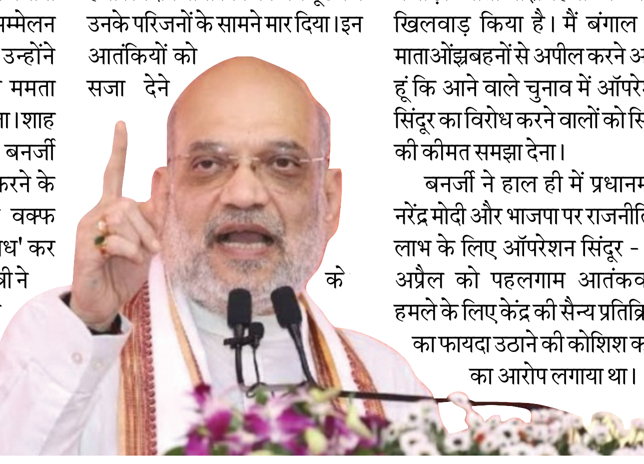

लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।'

शाह ने कहा कि आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओंझबहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओंझबहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना।

बनर्जी ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए ऑपरेशन सिंदूर - 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए केंद्र की सैन्य प्रतिक्रिया का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

9 दिन में देश में 1300% कोरोना केस बढ़े

48 घंटे में 21 मौतें, 3783 एक्टिव केस; बेंगलुरु में तीनों डोज ले चुके मरीज की मौत

महाराष्ट्र में 10 हजार से ज्यादा कोविड टेस्ट

महाराष्ट्र सरकार ने बताया कि शनिवार को कोविड के 68 नए मामले सामने आए। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई में जनवरी 2025 से अब तक 411 केस मिले हैं। जनवरी से अब तक राज्य में 10,324 कोविड–19 टेस्ट किए गए, जिसमें 681 कोरोना पॉजिटिव निकले थे।

एजेंसी

देश में कोरोना वायरस के एक्टिव केसेज की संख्या 3783 पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 22 मई को भारत में 257 केस थे। 9 दिन में कोरोना के मामलों में लगभग 1300% की बढ़ोतरी हुई है। केरल में सबसे ज्यादा 1400 मामले हैं। वहीं महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 एक्टिव केस हैं। जनवरी 2025 से अब तक कोरोना से 28 मौतें हो चुकी हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार ने जारी की है। इससे पहले 30 मई को सुबह 8 बजे तक सिर्फ 7 मौतों का आंकड़ा सामने आया था। ऐसे में बीते दो दिनों में देश के अंदर 21 लोगों की मौत दर्ज की गई। 31 मई को बेंगलुरु में 63 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसे दोनों वैक्सीन के साथ बूस्टर डोज भी लगी थी। वहीं दिल्ली में 60 साल के बुजुर्ग की मौत हुई है। महाराष्ट्र-केरल में सबसे ज्यादा 7-7 लोगों ने जान गंवाई है। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को पब्लिक एडवाइजरी जारी की। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला मिजोरम में शुक्रवार को 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा: नड्डा

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे ह्यनिरामय राजस्थानह्य की संकल्पना साकार होने लगी है।

एजेंसी

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करना केन्द्र सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। नड्डा यहां मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं, जिनसे निरामय राजस्थान की संकल्पना साकार होने लगी है।

केंद्र पाकिस्तान से सीखे! मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग दोहराई

> **पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार को पाकिस्तान से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने इन घटनाओं पर विचार–विमर्श करने के लिए अपनी संसद का सत्र बुलाया है, और भारत को भी इस मामले में वैसी ही गंभीरता दिखानी चाहिए।**

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' और पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी पार्टी की मांग को एक बार फिर दोहराया है। पत्रकारों से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार को पाकिस्तान से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने इन घटनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए अपनी संसद का सत्र बुलाया है, और भारत को भी इस मामले में वैसी ही गंभीरता दिखानी चाहिए। खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि पूरा देश सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने सभी राजनीतिक नेताओं से संयम बरतने और सैन्य कार्रवाई का राजनीतिकरण करने से बचने का आग्रह भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'हमें पता होना चाहिए कि कब क्या बोलना है। राष्ट्रीय मामलों में एकता होनी चाहिए और अपने विरोधियों को हराने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। देश भर के सभी नेताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में चुप रहना चाहिए। इस बारे में बोलने से पहले यह समझना बेहतर है कि क्या हुआ है।

सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर सियासी बवाल, ममता बनर्जी निशाने पर

पवन कल्याण ने कड़ी आपत्ति जताई

कल्याण ने इस मुद्दे पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कथित तौर पर ममता बनर्जी सनातन धर्म को 'गंदा धर्म' कहती हुई दिखाई दे रही हैं। पवन कल्याण ने सवाल उठाया है कि जब सत्ताधारी दल के नेता सनातन धर्म के बारे में ऐसी टिप्पणी करते हैं, तब कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती, जबकि एक सोशल मीडिया क्रिएटर पर तत्काल गिरफ्तारी का डंडा चलाया जाता है। उन्होंने सेक्युलरिज्म को दोतरफा रास्ता बताते हुए सभी के लिए समान न्याय की मांग की है।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल पुलिस ने सोशल मीडिया 'कंटेंट क्रिएटर' शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे

राज्य में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पनोली की गिरफ्तारी पर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कड़ी आपत्ति जताई है और सीधे तौर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। जन कल्याण सेना के नेता पवन कल्याण ने छात्रा की गिरफ्तारी पर टिप्पणी करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने पूछा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, कानून की छात्रा शर्मिष्ठा ने अपनी बात रखी, उनके शब्द खेदजनक और कुछ लोगों को दुख पहुंचाने वाले थे। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की, वीडियो डिलीट किया और माफी मांगी।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने स्वीकारा पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव में भारत को हुआ लड़ाकू विमानों का नुकसान

▸▸ सिंगापुर में शांगरी–ला वार्ता के दौरान एक साक्षात्कार में, जनरल चौहान ने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि जेट विमान गिराए गए, बल्कि यह है कि उन्हें क्यों गिराया गया और क्या गलतियाँ हुईं। उन्होंने पाकिस्तान के इस दावे को खारिज किया कि उसने 7–10 मई के संघर्ष के दौरान छह भारतीय जेट विमानों को मार गिराया था, इसे 'बिल्कुल गलत' बताया।

एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण आधिकारिक बयान में पुष्टि की कि पिछले महीने पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव के शुरूआती चरण में हुई 'सामरिक गलतियों' के कारण भारत को अपने कुछ लड़ाकू विमान गंवाने पड़े हैं। हालांकि, जनरल चौहान ने क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए लड़ाकू विमानों की सटीक संख्या का खुलासा नहीं किया। बता दें कि यह पहला मौका है जब भारत के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने सैन्य टकराव में लड़ाकू विमानों के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि की है।

बातचीत — क्वालालंपूर में बोले अभिषेक बनर्जी

पाकिस्तान के साथ अगली बातचीत पीओके को वापस लेने पर होनी चाहिए

एजेंसी

कुआलालंपुर। मलेशिया की यात्रा पर गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ अगली बातचीत केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने पर होनी चाहिए। कुआलालंपुर में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत में बनर्जी ने कहा, 'विभिन्न सरकारों के बदलने के बावजूद हम दशकों से उनके (पाकिस्तान के) साथ बातचीत कर रहे हैं। लेकिन एक चीज बरकरार है - पाकिस्तान के साथ गतिरोध।' जद (यू) के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल बनर्जी ने कहा, '22 अप्रैल को जो कुछ हुआ, जिसमें 26 लोगों की

सिर्फ उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी गई... मैं चाहता हूं कि सरकार पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के मुद्दे पर बातचीत करे। अन्यथा, ये आतंकवादी हमले जारी रहेंगे।' भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके पर ही होगी। प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत के दौरान, झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख से अवगत कराया। सदस्यों ने प्रतिभागियों को दशकों से भारत को प्रभावित करने वाले सीमा पार आतंकवाद, विशेष रूप से पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले के बारे में जानकारी दी। कुआलालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रवासी समुदाय के सदस्यों को भारत के संदेश को विभिन्न समुदायों और मंचों पर साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस संवाद में भारतीय प्रवासी सदस्यों के विचार भी सुने गए, जिनमें मलेशियाई भारतीय मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल थे, जिन्होंने सीमा पार आतंकवादी हमलों की स्पष्ट रूप से निंदा की। बनर्जी ने कहा कि 22 अप्रैल के हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के न्याय करने और अपराधियों को सजा दिलाने के लिए दो सप्ताह तक इंतजार किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 14 दिन बाद, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये सीमा पार नौ आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए। बनर्जी ने पूछा, हम सभी सबूतों को सार्वजनिक रूप से पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें हैं कि पाकिस्तानी सेना के उच्च पदस्थ अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होते देखे गए। भारत दुनिया को इससे ज्यादा क्या सबूत दे सकता है? उन्होंने प्रवासी सदस्यों से अनुरोध किया कि जब वे भारत आएं तो कश्मीर में तीन-चार दिन बिताएं।

> **जद (यू) के राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल बनर्जी ने कहा, '22 अप्रैल को जो कुछ हुआ, जिसमें 26 लोगों की सिर्फ उनके धर्म के आधार पर गोली मारकर हत्या कर दी गई... मैं चाहता हूं कि सरकार पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेने के मुद्दे पर बातचीत करे। अन्यथा, ये आतंकवादी हमले जारी रहेंगे।'**

गरीबों के लिए काम करती है आंध्र प्रदेश सरकार: मुख्यमंत्री नायडू

❍ मुख्यमंत्री ने जल्द ही तीन किस्तों में अन्नदाता सुखीभव (किसानों को प्रति वर्ष 20,000 रुपये की वित्तीय सहायता) लागू करने का भी वादा किया। इसी तरह, उन्होंने 15 अगस्त से महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा लागू करने का भी आश्वासन दिया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार गरीबों के लिए काम करती है और उनके लिए सभी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करती है, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। जिले के चेयेरू में एक ग्राम सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 64 लाख से अधिक लोगों को हर महीने की पहली तारीख को कर्मचारियों की तरह ही पेंशन मिलती है। नायडू ने कहा, यह सरकार गरीबों के लिए काम करती है। हम गरीबों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए सभी कार्यक्रम चला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पेंशन वितरित करने के मामले में राजग सरकार इतिहास में एक अनोखी सरकार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक कल्याणकारी पेंशन पर 34,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे अमीर राज्यों की तुलना में आंध्र प्रदेश संख्या और धन की दृष्टि से अधिक कल्याणकारी पेंशन देता है।

सम्पादकीय

सीडीएस चौहान ने खोली पाकिस्तान के दावों की पोल

सिंगापुर में रक्षा सम्मेलन में सीडीएस अनिल चौहान ने आपरेशन सिंदूर पर कहा कि पाकिस्तान के दावे गलत हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के परमाणु युद्ध वाले दावे को भी गलत बताया। आपरेशन सिंदूर में तय लक्ष्य हासिल हुए जिसके प्रमाण बहावलपुर मुरीदके मुजफ्फराबाद में ध्वस्त आतंकी ठिकाने हैं। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी वायु सेना को भी पंगु बना दिया था।सिंगापुर में रक्षा-सुरक्षा, युद्ध नीति आदि पर आयोजित एक सम्मेलन में आपरेशन सिंदूर पर चीफ आफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने जो कुछ कहा, उससे फिर से यही स्पष्ट हुआ कि इस अकल्पनीय सैन्य कार्रवाई के दौरान भारतीय सेना को हुई क्षति को लेकर पाकिस्तान जो दावे कर रहा है, वे गलत और यथार्थ से परे हैं। यह अच्छा हुआ कि सीडीएस चौहान ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दावे की भी पोल खोली कि भारत और पाकिस्तान परमाणु युद्ध के निकट थे। जहां तक क्षति की बात है तो वह तो हर बड़ी लड़ाई का हिस्सा होती है। महत्वपूर्ण क्षति नहीं, बल्कि यह होता है कि जो लक्ष्य तय किए गए, उनका सही तरह संधान हुआ या नहीं ?आपरेशन सिंदूर ने जो लक्ष्य तय किए थे, वे हासिल हुए, इसकी गवाही बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद आदि में ध्वस्त हुए नौ आतंकी ठिकाने दे रहे हैं। इनके फोटो और वीडियो भी उपलब्ध हैं। इसी तरह इन आतंकी अड्डों के बाद पाकिस्तान के बुरी तरह तबाह किए गए प्रमुख एयरबेस भी यही सच बयान कर रहे हैं कि भारतीय सेना ने उसकी वायु सेना को पंगु कर दिया था। इन एयरबेस के तो सेटेलाइट इमेज भी उपलब्ध हैं।सीडीएस की यह स्वीकारोक्ति कोई नई बात नहीं कि भारत के कुछ लड़ाकू विमानों को क्षति उठानी पड़ी, क्योंकि इसे आपरेशन सिंदूर के समय उसे संचालित करने वाले शीर्ष सैन्य अफसरों ने भी यह कहकर रेखांकित कर दिया था कि ऐसे संघर्ष में कुछ नुकसान तो उठाना ही पड़ता है। न उन्होंने बताया था कि कितने लड़ाकू विमानों को क्षति पहुंची और न ही सीडीएस अनिल चौहान ने। आखिर ऐसे में पाकिस्तान की तरह कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूहों की ओर से यह अनर्गल प्रचार करने का क्या अर्थ कि भारत के सीडीएस ने पहली बार माना कि उसके विमानों को क्षति उठानी पड़ी ? जहां तक सैन्य कार्रवाई के दौरान रणनीति बदलने की बात है तो हालात देखते हुए ऐसा करने को ही सैन्य कौशल कहते हैं। जिसे रणनीतिक कमी कहा जा रहा है, उसे सैन्य भाषा में अपने लक्ष्य को हासिल करने के उपाय करना कहते हैं।इन्हीं उपायों के चलते भारतीय सेना आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद पाकिस्तानी सेना को पस्त करने में सक्षम रही। यही तो उसका ध्येय था। इस पर हैरानी नहीं कि पाकिस्तान सीडीएस चौहान के कथन की मनमानी व्याख्या कर रहा और चीन के अतिरिक्त पश्चिमी मीडिया का एक हिस्सा भी अपने एजेंडे के तहत उसके सुर में सुर मिला रहा है।

आज का विचार

मेष राशि : आपके पक्ष में रहने वाला है. आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा. व्यापार में अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं. किसी से उधार के लेन-देन से बचें. कुछ दिनों से चल रहे पारिवारिक मनमुटाव का माहौल जीवन- साथी की मदद से अच्छा हो जाएगा

वृष राशि: परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा. परिवार के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे. घर के कार्यों में सभी सदस्यों का साथ मिलेगा. घूमने फिरने की योजना बना सकते हैं, जिससे पारिवारिक माहौल खुशहाल बना रहेगा. कोई मित्र मिलने घर आ सकता है, उससे निजी समस्याओं को शेयर करने से मन का बोझ हल्का होगा. नौकरीपेशा हैं, तो अनुकूल स्थान पर ट्रांसफर हो सकता है.

मिथुन राशि: सकारात्मक विचारों से दिन का प्रारंभ करें. आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. ऑफिस के कार्यों संबंधित यात्रा हो सकती है. यात्रा के दौरान किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है जिससे आप प्रभावित होकर जीवन शैली में बदलाव लाने पर विचार करेंगे. यदि आप गाड़ी खरीदने की सोच रहे हैं तो अभी के लिए टाल दीजिए.

कर्क राशि: आपके तथा आपके परिवार के लिए खुशियां लाने वाला दिन है. पारिवारिक समस्याएं आज स्वयं दूर हो जाएंगी और आप अपने जीवनसाथी के साथ आनंद का अनुभव करेंगे. अध्यात्म की ओर रूझान बढ़ेगा. किसी धार्मिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं.

सिंह राशि : दिन सामान्य रहेगा. भाई- बहन से बिगड़े रिश्ते सुधारने पर आज आप सोच विचार करेंगे. इसके लिए जीवन साथी की मदद ले सकते हैं. सड़क पर चलते समय सतर्क रहें. विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है, पढ़ाई में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी, और पढ़ने में मन लगेगा. विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का मन बनाएंगे.

कन्या राशि : आनंद से भरा रहेगा दिन, दाम्पत्य जीवन में भरपूर मधुरता बनी रहेगी ,आप अपने परिवार के बीच सुखद समय व्यतीत करेंगे. हंसी- मजाक का वातावरण बना रहेगा.

तुला राशि: दिन खुशनुमा रहेगा. आप ऊजार्वान रहकर अपने सभी काम समय पर अच्छी तरह पूरा करेंगे. आपका आत्मविश्वास कार्यस्थल पर दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होंगे. गलत राह पर ले जाने वाले लोगों से सतर्क रहे, बुद्धि और विवेक का सहारा लें और जल्दबाजी में कोई भी निर्णय ना लें.

वृश्चिक राशि : आज आपकी सृजनशील प्रवृत्ति कार्यस्थल पर आपको सम्मान दिलाएगी. आप अपनी बुद्धि और विवेक से किसी आर्थिक समस्या का समाधान खोज लेंगे जिससे आपकी कंपनी को दोगुना लाभ होगा.

धनु राशि: आज आपको तरक्की के कुछ नये साधन मिलेंगे। कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात दिन को और बेहतर बनाएगी. आपका मूड काफी अच्छा रहने वाला है. बिजनेस में तरक्की सामान्य रूप से बनी रहेगी.

मकर राशि: आज आप नवीन विचारों से अपने नए दिन की शुरूआत करेंगे. यात्रा के योग बन रहें हैं. परिवार के साथ किसी रमणीय स्थल पर जाने की योजना बना सकते हैं. आपका मन आज सामाजिक तथा राजनीतिक कार्यों में लगा रहेगा. आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी.

कुंभ राशि: आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा. शाम तक कोई शुभ समाचार मिलने से घर में खुशियों का माहौल बन जाएगा. ऑफिस का काम आज समय से पहले पूरा हो जायेगा, जिससे आप आपने घर वालो के साथ समय व्यतीत करेंगे.

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा. आपका झुकाव संगीत के प्रति रहेगा. आपको किसी शो में गाने का प्रस्ताव मिल सकता है,जिसकी प्रतीक्षा बहुत समय से कर रहे थे. आप बहुत प्रसन्न रहेंगे. घर में संतान के रुप में लक्ष्मी का आगमन होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विश्व समुदाय का विचित्र रवैया, पाकिस्तान की हरकतों पर हैरान क्यों नहीं अमेरिका?

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को निशाना बनाया और एयरबेस ध्वस्त कर दिए। पाकिस्तान की गुहार पर भारत सैन्य कार्रवाई रोकने को तैयार हुआ लेकिन शर्त रखी कि पाकिस्तानी सेना को भारतीय सेना से सीधे बात करनी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसका श्रेय लेने की कोशिश की।

पहलगाम में भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए उसके नौ प्रमुख आतंकी अड्डों को निशाना बनाने और फिर उसके कई एयरबेस ध्वस्त करने की जो कार्रवाई आपरेशन सिंदूर के तहत की, वह अत्यंत साहसिक और पाकिस्तानी सेना के छक्के छुड़ा देने वाली रही।भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके बारे में पाकिस्तानी सेना को भारतीय सेना से सीधे बात करनी होगी। मजबूरी में उसने ऐसा ही किया। भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। उन्होंने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं। भारत ने यह साफ करने में भी संकोच नहीं किया कि पाकिस्तान से केवल उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही कोई बात हो सकती है और वह भी तब, जब वह उन आतंकियों को उसे सौंपेगा, जिनकी सूची उसे दी जा चुकी है। भारत ट्रंप की इस बात को भी कोई महत्व देने को तैयार नहीं कि दोनों देशों को व्यापार को प्राथमिकता देनी चाहिए। भारत के कड़े रुख से पाकिस्तान में घबराहट है। पिछले दिनों पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ यह मानने को मजबूर हुए कि भारत की सेना ने उसे इतना बेबस कर दिया कि वह कोई जवाबी कार्रवाई नहीं कर सका। यह स्पष्ट है कि इसके बाद भी आपरेशन सिंदूर पर कई देशों की प्रतिक्रिया अपेक्षित नहीं रही और सबसे चकित कर देने वाली प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति की रही। इससे भारत इस नतीजे पर पहुंच रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार और आतंकवाद को जोड़ने का विचित्र काम करने के साथ पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को देखने के लिए तैयार नहीं। आखिर अमेरिका भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े में कैसे रख रहा है और भी तब, जब ट्रंप पाकिस्तान के आतंकी चेहरे से परिचित रहे हैं? भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि सैन्य टकराव के बीच पाकिस्तान को अमेरिकी और अन्य पश्चिमी देशों की नरमी के कारण ही आइएमएफ से कर्ज मिला। नि:संदेह पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति खराब है, पर उसे कोई मदद तब दी जानी चाहिए, जब वह उन शर्तों को पूरा करे, जो उस पर उस समय लगाई गई थीं, जब वह एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में था। यह किसी से छिपा नहीं कि उसने इस लिस्ट से बाहर आने के लिए दिखावे के लिए कुछ आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की और जैसे ही इस लिस्ट से बाहर आया, आतंकियों को पालने और उन्हें भारत में हमले करने के लिए उकसाने लगा। पहलगाम में आतंकी हमला इसका ही नतीजा है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश इससे अनजान नहीं कि पाकिस्तान विदेशी सहायता का इस्तेमाल अपनी आर्थिक बदहाली दूर करने पर नहीं, हथियार खरीदने और आतंकी ढांचे को तैयार करने में करता है। वह भारत के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी भी देता रहता है। ऐसे में विश्व समुदाय और विशेष रूप से अमेरिका को तो यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पाकिस्तान अपने आतंकी ढांचे को नष्ट करे और वहां की सरकार सेना के नियंत्रण से मुक्त हो। विश्व समुदाय और खासकर अमेरिका के लिए यह सच्चाई तो आंखें खोलने और परेशान करने वाली होनी चाहिए कि पाकिस्तानी सेना का अपनी सरकार पर नियंत्रण है, न कि सरकार का सेना पर। अमेरिका इसकी भी अनदेखी कर रहा है कि पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने खुद को फील्ड मार्शल बना लिया है।

अब वह और अधिक ताकतवर होकर पाकिस्तान सरकार को अपनी कठपुतली बना लेंगे। पाकिस्तान की हरकतों और उनके प्रति विश्व समुदाय के ढुलमुल रवैये के कारण ही भारत ने इस पड़ोसी देश के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने के लिए प्रमुख देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया। दुर्भाग्य से इस पर जो संकीर्ण और सस्ती राजनीति शुरू हुई, वह थमने का नाम नहीं ले रही है। इन प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के वे नेता भी हैं, जो मोदी सरकार के कट्टर आलोचक रहे हैं। सबसे कटु आलोचक तो असदुद्दीन ओवैसी हैं। वह मोदी सरकार को हर मुद्दे पर घेरते हैं, लेकिन विदेश में वह बड़े प्रभावी ढंग से भारत का पक्ष रख रहे हैं। ऐसा ही काम अन्य विपक्षी नेता और खासकर कांग्रेस के शशि थरूर कर रहे हैं।थरूर केवल पूर्व राजनयिक और विदेश मामलों के जानकार ही नहीं, प्रभावशाली वक्ता भी हैं। इसके बाद भी कांग्रेस के कई नेताओं ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इनमें प्रमुख हैं राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले जयराम रमेश और पवन खेड़ा। वे उन पर ऐसे आरोप लगा रहे कि खुद कांग्रेस के कुछ नेता हैरान हैं। कांग्रेस का रवैया विश्व में भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने और उस भावना का निरादर करने वाला है, जिसके तहत सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रमुख देशों में गए हैं। इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं हो सकता कि देश की सबसे पुरानी पार्टी राष्ट्रीय हित के बड़े मुद्दे पर बेहद छिछली राजनीति कर रही है।

जाति आधारित जनगणना से बदल सकती है आरक्षण नीति

(संदीप सृजन)

भारत में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र रहा है। 1931 के बाद, भारत में व्यापक जाति जनगणना नहीं हुई है। 2011 की जनगणना में सामाजिक-आर्थिक और जाति सर्वेक्षण (एसईसीसी) किया गया था, लेकिन इसके आंकड़े पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किए गए। हाल ही में, केंद्र सरकार ने 2025 में होने वाली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने की घोषणा की है। यह निर्णय सामाजिक न्याय और नीतिगत योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लिया गया है।जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जाति की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति,और शैक्षिक स्तर का सटीक डेटा एकत्र करना है। इससे सरकार को यह समझने में मदद मिलेगी कि कौन सी जातियां वास्तव में पिछड़ी हैं और किन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। क्रीमी लेयर और जाति जनगणना का संयुक्त प्रभाव भारत में ओबीसी आरक्षण नीति को नया आकार दे सकता है। यह प्रक्रिया कुछ प्रभावशाली ओबीसी जातियों के लिए चुनौतियां ला सकती है,जिन्हें ओबीसी सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का दबाव बढ़ सकता है। दूसरी ओर,यह उन अति पिछड़ी जातियों के लिए अवसर प्रदान कर सकता है जो अभी तक आरक्षण के लाभ से वंचित रही हैं। हालांकि,इस प्रक्रिया में कई चुनौतियां हैं, जिनमें आंकड़ों की विश्वसनीयता, राजनीतिक दुरुपयोग,और सामाजिक तनाव शामिल हैं। सरकार को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पारदर्शी और समावेशी नीतियां अपनानी होंगी। भारत में सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आरक्षण नीति एक महत्वपूर्ण उपकरण रही है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण, जो

सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को समर्थन प्रदान करता है, 1991 में मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर लागू किया गया था। हालांकि, हाल के वर्षों में,क्रीमी लेयर की अवधारणा और जाति आधारित जनगणना जैसे मुद्दों ने ओबीसी आरक्षण नीति पर गहरा प्रभाव डाला है।क्रीमी लेयर और प्रस्तावित जाति जनगणना कई ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकती है, जिसमें कुछ जातियों को ओबीसी सूची से बाहर करने की संभावना है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) भारत सरकार द्वारा सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सामूहिक शब्द है। मंडल आयोग (1980) ने अनुमान लगाया था कि भारत की कुल आबादी का लगभग 52 प्रतिशत हिस्सा ओबीसी समुदायों का है। ओबीसी को सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में 27 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाता है। इस वर्ग के भीतर असमानता को दूर करने के लिए 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा शुरू की गई। क्रीमी लेयर उन ओबीसी व्यक्तियों या परिवारों को संदर्भित करता है जो आर्थिक और सामाजिक रूप से अपेक्षाकृत समृद्ध हैं और इसलिए आरक्षण के लाभ के लिए प्राथमिकता के पात्र नहीं माने जाते। 1993 में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले में दिए गए फैसले के बाद, क्रीमी लेयर की पहचान के लिए मानदंड स्थापित किए गए। वर्तमान में, क्रीमी लेयर की आय सीमा 8 लाख रुपये प्रति वर्ष है, और इसमें उच्च सरकारी पदों पर कार्यरत व्यक्तियों के परिवार भी शामिल हैं। क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे जो वास्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। इस नीति ने कई ओबीसी जातियों के बीच असंतोष पैदा किया है, खासकर उन जातियों में जो आर्थिक रूप से उन्नत हो चुकी हैं। क्रीमी लेयर की आय सीमा को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। हाल के वर्षों में, इसे 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि जाति जनगणना के बाद क्रीमी लेयर के मानदंडों को और सख्त किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आय के साथ-साथ शैक्षिक योग्यता,संपत्ति, और सामाजिक स्थिति जैसे अन्य कारकों को भी शामिल किया जा सकता है। इस तरह के बदलाव उन ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकते हैं जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुकी हैं।कुछ जातियों ने सरकारी नौकरियों में ओबीसी कोटे का बड़ा हिस्सा हासिल किया है। यदि क्रीमी लेयर के मानदंड सख्त होते हैं, तो इन जातियों के कई परिवार आरक्षण के लाभ से वंचित हो सकते हैं। कई ओबीसी जातियों को सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी हो सकता है। उत्तर भारत में,खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में,यादव और कुर्मी जैसी जातियां राजनीतिक रूप से प्रभावशाली हैं। यदि इन जातियों को ओबीसी सूची से हटा दिया जाता है, तो यह उनके राजनीतिक प्रभाव को कम कर सकता है और क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरण पैदा कर सकता है। इसके अलावा, यह कदम सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। कुछ जातियां यह तर्क दे सकती हैं कि उन्हें सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है, भले ही वे आर्थिक रूप से समृद्ध हों।जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति से संबंधित कई चुनौतियां और विवाद हैं। जाति जनगणना एक जटिल प्रक्रिया है, और इसके आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। 2011 के एसईसीसी में तकनीकी खामियां पाई गई थीं, जिसके कारण इसके आंकड़े उपयोगी नहीं माने गए। कुछ आलोचकों का मानना है कि जाति जनगणना का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक को मजबूत करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कुछ दल प्रभावशाली ओबीसी जातियों को लाभ पहुंचाने के लिए नीतियों में बदलाव कर सकते हैं। जाति जनगणना से समाज में जातिगत आधार पर विभाजन बढ़ सकता है। यह सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचा सकता है और सामाजिक तनाव को बढ़ा सकता है। यदि कुछ जातियों को ओबीसी सूची से हटाया जाता है, तो यह कानूनी चुनौतियों को जन्म दे सकता है।

प्रभावित समुदाय कोर्ट में जा सकते हैं, जिससे नीतिगत बदलाव में देरी हो सकती है। जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति का भविष्य कई कारकों पर निर्भर करेगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जनगणना के आंकड़े पारदर्शी और विश्वसनीय हों। साथ ही, क्रीमी लेयर के मानदंडों को इस तरह से संशोधित करना होगा कि यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को बढ़ावा दे। समाज को यह समझने की जरूरत है कि आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना है।

आत्मनिर्भरता स्वाभिमानी राष्ट्र का गौरव और आनंद

पराधीन सपने हूं सुख नाही₹यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि ₹एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं₹,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज, स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है ।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी ₹दैव दैव आलसी₹ पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है। हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए।

मेघालय की राजधानी शिलांग में 19 वें लेखक मिलन शिविर आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहरी के प्रधानाचार्य डॉ रवि भूषण को मिला शिलांग में महाराज कृष्ण जैन स्मृति सम्मान पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग द्वारा मेघालय की राजधानी शिलांग में 19 वें लेखक मिलन शिविर 30मई 2025से 01जून 2025 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम उद्घाटन आई ए एस डॉ वी. डी. तिवारी सचिव राज्य पाल मेघालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देश भर के 18 राज्यों लेखक, रचनाकार, कवि, कहानी कार सम्मिलित हुए। तीन दिन चले कार्यक्रम में 120 लेखकों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहरी प्रयागराज के प्रधानाचार्य डॉ रवि भूषण ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रस्तुति दी, रचना धर्मिता व हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए डॉ रवि भूषण को अकादमी की ओर से महाराजा कृष्ण जैन स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया, इस कार्यक्रम में मिजोरम पर्वतीय विश्वविद्यालय व शिलांग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ सुशील कुमार शर्मा व पूर्वोत्तर हिंदी अकादमी शिलांग के सचिव डॉ अकेला भाई व अध्यक्ष श्री विमल बजाज ने हिंदी के प्रचार प्रसार की रुप रेखा प्रस्तुत करने के साथ साथ सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

उत्तर मध्य रेलवे ने लगाए एक लाख पौधे

उत्तर मध्य रेलवे ने तीन मंडलों में लगाए एक लाख पौधे, स्थानीय प्रजातियों को दी प्राथमिकता

भारत संवाद

रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़े का आयोजन 22 मई से 05 जून 2025 तक किया जा रहा है । इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है । सभी स्टेशनों पर कॉलोनी कारखाने डिपो इत्यादि स्थानों पर स्थानीय प्रजाति जैसे आम नीम पीपल अमला शरीफ कटहल कनेर इत्यादि हाइब्रिड मियावाकी या क्लस्टर प्लांटेशन द्वारा लगाए गए । कुछ स्थानों पर प्लांटेशन इत्यादि के बचाव के लिए फेंसिंग, ड्रिप इरीगेशन, की व्यवस्था की गई । प्रयागराज, झांसी, आगरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधको तथा कर्मचारियों ने क्रमशः 40000, 35000, 25000 पौधारोपण किया । उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में यह पौधारोपण कार्यक्रम महाप्रबंधक श्री उपेंद्र चन्द्र जोशी की मार्गदर्शन में तथा

प्रधान मुख्य इंजीनियर श्री एस सी जैन के देखरेख में संपन्न किया गया । रेलगांव कॉलोनी में कुल 6000 पौधे लगाए गए। इस पौधारोपण के लिए लोकल नरसरियों से तथा वन विभाग से विभिन्न किस्म के पौधे लिए गए थे तथा इनको लगाया गया । कार्यक्रम का आरंभ अपर महाप्रबंधक महोदय श्रीमती एवं श्री जे एस लाकरा द्वारा पौधा लगाकर किया गया । इसके साथ प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री अनिमेष कुमार सिन्हा ने सभी को हरित शपथ दिलवाई । इस कार्यक्रम में गंगा टास्क फोर्स के कर्नल अरविंद प्रसाद संकरन (कमान अधिकारी) के दिशा निर्देशन तथा लेफ्टिनेंट कर्नल मिलन मिश्रा के अगुवाई में पौधरोपण कार्यक्रम को संपन्न कराया गया जिसमें सूबेदार सर्वेश, सूबेदार महेंद्र, हवलदार सत्येंद्र इत्यादि टीम के सदस्य उपस्थित थे। उनकी तरफ से लगभग 30 लोग एवं 200 पौधो का सहयोग दिया गया । इसके पश्चात श्रीमती लाकरा एवं श्रीमती अय्यर के द्वारा सफाई कर्मियों को स्टील की बोतले एवं कपड़े के थैले बांटे गए और सभी बच्चो को उपहार भी प्रदान किए गए । कपड़े के थैलो एवं स्टील की बोतलों के वितरण का उद्देश्य प्लास्टिक के उपयोग को कम करना है । कार्यक्रम में स्काउट गाइड तथा फॉरेस्ट ऑफिसर, पर्यावरणविद् इत्यादि उपस्थित थे।

इस पखवाड़े में मुख्यालय के साथ-साथ सभी मंडलों एवं कारखाने एवं स्टेशनों में भी वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत पौधे लगाए गए । इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस.बालचंद्र अय्यर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी /निर्माण श्री विपिन कुमार, वरि.उप महाप्रबंधक श्री हिमांशु बडोनी, मुख्य इंजीनियर /सामान्य श्री राजीव कुमार सिंह, सीएमपीई श्री आर डी मौर्या, सीएमई मोनिटरींग श्री मो. जावेद, सहायक इंजीनियर/ मुख्यालय श्री बी०के. त्रिपाठी उपस्थित रहे । पौधे लगाने का उद्देश्य वातावरण में जैव विविधता बढ़ाना है तथा रेल की जमीन को अतिक्रमण से बचना है ।

फास्ट ट्रैक

जिला कारागार ललितपुर में पूर्व सांसद की बैरक से आपत्तिजनक वस्तुएं और नगद बरामद

भारत संवाद

लखनऊ। जिला कारागार ललितपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निरीक्षण के दौरान पूर्व सांसद रिजवान जहीर की बैरक से गद्दा, तकिया, बैटरी वाला पंखा, देसी घी, अचार, टिफिन, तेल, साबुन, शैम्पू, क्रीम सहित कई आपत्तिजनक वस्तुएं और नगद राशि बरामद हुई। यह जानकारी अपर महानिरीक्षक कारागार धर्मेंद्र सिंह ने आज यहां दी ।उन्होंने बताया कि उक्त प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उपमहानिरीक्षक कारागार, कानपुर रेंज से जांच आख्या प्राप्त की गई। उपमहानिरीक्षक द्वारा विस्तृत रिपोर्ट कारागार मुख्यालय को प्रेषित कर दी गई है । जांच में जो भी अधिकारी व कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

प्रयागराज जंक्शन पर प्रवेश के लिए स्मिथ रोड दिनांक 02.06.2025 से 4 माह के लिए बंद

भारत संवाद

प्रयागराज जंक्शन के उन्नयन कार्य के दृष्टिगत फुट ओवर ब्रिज संख्या -1 से फुट ओवर ब्रिज संख्या -2 के मध्य स्थित स्मिथ रोड पर निर्माण कार्य के कारण यात्री आवगमन दिनांक 02.06.2025 से 4 माह के लिए पूर्ण रूप से बंद किया जा रहा है । मार्ग संख्या-3 से केवल प्लेटफॉर्म संख्या -4/5, 7/8 एवं 9/10 पर जाने वाले यात्री ही प्रवेश कर पाएंगे । अन्य प्लेटफार्मों पर जाने वाले यात्री मार्ग संख्या-4 से प्रवेश कर संबंधित प्लेटफॉर्म पर पहुँच पाएंगे । यात्रियों से अनुरोध है कि प्रयागराज जंक्शन से यात्रा के समय स्मिथ रोड बंद होने को ध्यान में रखकर प्रयागराज जंक्शन पर पहुंचे ।

उत्तर मध्य रेलवे का 135 वाँ प्रबंधन विकास कार्यक्रम

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे का 135 वाँ प्रबंधन विकास कार्यक्रम श्री हिमांशु बडोनी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, प्रयागराज के मार्गदर्शन, श्री रजत पुरवार, उप महाप्रबंधक (सा.)/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के निर्देशन, श्री संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी के नेतृत्व एवं मुख्य कार्य अध्ययन निरीक्षकों श्री पुष्पेंद्र सिंह ,श्री मनदीप कुमार एवं मुख्य कार्यालय अधीक्षक श्रीमती शशिप्रभा वर्मा के कुशल प्रबंधन में पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, न्यू बंगाइगाँव, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में दिनांक 26.05.2025 से 30.05.2025 के बीच आयोजित किया गया। पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, न्यू बंगाइगाँव में आयोजित उक्त कार्यक्रम में मुख्यालय, प्रयागराज, झाँसी एवं आगरा मंडल तथा कारखाना झाँसी एवं कारखाना सिथौली से आए सुपरवाइजरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री किशन सिंह, मुख्य कारखाना प्रबंधक (कैरेज एंड वैगन कारखाना, न्यू बंगाइगाँव) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया ।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री किशन सिंह, मुख्य कारखाना प्रबंधक/कैरेज एंड वैगन कारखाना, न्यू बंगाइगाँव, श्री तेची कुमार, मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, रंगिया, श्री संजीव कुमार सिंह, उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, श्री अभिमन्यु प्रसाद, सहायक कार्मिक अधिकारी, कैरेज एंड वैगन कारखाना, न्यू बंगाइगाँव, श्री चेतन तनेजा, वरिष्ठ परिचालन प्रबन्धक (सामान्य) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, श्री संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी, श्री उल्लास कुमार, मुख्य प्रबन्धक, HRMS & CRIS, श्रीमती मंजू लता हांडू, अपर स्वास्थ निदेशक, श्री आर. स. बडोले, अपर मंडल रेल प्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमांत रंगीया, श्री अंकुर चंद्रा, मुख्य सतर्कता अधिकारी डीएलडबल्यू, वाराणसी द्वारा क्रमशः पर्यवेक्षकों के बीच क्षमता और प्रभावशीलता में सुधार, इमोशनल इंटेलिजेंस, ऑर्गनाइजेशनल गोल, अनुशासन एवं अपील नियम, रेलवे कर्मचारियों के लिए नैतिकता एवं आचरण नियम, आरटीआई, एच आर एम्एस, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन अधिनियम-2013, स्वास्थ्य प्रबंधन, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस तथा बढ़ता भ्रष्टाचार एवं नैतिकता का महत्व विषयों पर व्याखान दिए गए।

उत्तर मध्य रेलवे का 135वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम मई माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया गया

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे का 135 वाँ प्रबंधन विकास कार्यक्रम श्री हिमांशु बडोनी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, प्रयागराज के मार्गदर्शन, श्री रजत पुरवार, उप महाप्रबंधक (सा.)/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज के निर्देशन, श्री संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी के नेतृत्व एवं मुख्य कार्य अध्ययन निरीक्षकों श्री पुष्पेंद्र सिंह ,श्री मनदीप कुमार एवं मुख्य कार्यालय अधीक्षक श्रीमती शशिप्रभा वर्मा के कुशल प्रबंधन में पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, न्यू बंगाइगाँव, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में दिनांक 26.05.2025 से 30.05.2025 के बीच आयोजित किया गया। पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केंद्र, न्यू बंगाइगाँव में आयोजित उक्त कार्यक्रम में मुख्यालय, प्रयागराज, झाँसी एवं आगरा मंडल तथा कारखाना झाँसी एवं कारखाना सिथौली से आए सुपरवाइजरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री किशन सिंह, मुख्य कारखाना प्रबंधक (कैरेज एंड वैगन कारखाना, न्यू बंगाइगाँव) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया ।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री किशन सिंह, मुख्य कारखाना प्रबंधक/कैरेज एंड वैगन कारखाना, न्यू बंगाइगाँव, श्री तेची कुमार, मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, रंगिया, श्री संजीव कुमार सिंह, उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, श्री अभिमन्यु प्रसाद, सहायक कार्मिक अधिकारी, कैरेज एंड वैगन कारखाना, न्यू बंगाइगाँव, श्री चेतन तनेजा, वरिष्ठ परिचालन प्रबन्धक (सामान्य) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, श्री संतोष बाजपेयी, कार्य अध्ययन अधिकारी, श्री उल्लास कुमार, मुख्य प्रबन्धक, HRMS & CRIS, श्रीमती मंजू लता हांडू, अपर स्वास्थ निदेशक, श्री आर. स. बडोले, अपर मंडल रेल प्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमांत रंगीया, श्री अंकुर चंद्रा, मुख्य सतर्कता अधिकारी डीएलडबल्यू, वाराणसी द्वारा क्रमशः पर्यवेक्षकों के बीच क्षमता और प्रभावशीलता में सुधार, इमोशनल इंटेलिजेंस, ऑर्गनाइजेशनल गोल, अनुशासन एवं अपील नियम, रेलवे कर्मचारियों के लिए नैतिकता एवं आचरण नियम, आरटीआई, एच आर एम एस, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन अधिनियम-2013, स्वास्थ्य प्रबंधन, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस तथा बढ़ता भ्रष्टाचार एवं नैतिकता का महत्व विषयों पर व्याखान दिए गए ।उक्त कार्यक्रम में पर्यावरण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक के साथ पुरस्कार राशि तथा चतुर्थ एवं पंचम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सांत्वना राशि का पुरस्कार प्रदान किया गयो उक्त कार्यक्रम का समापन दिनांक 30.05.2025 को श्री अंकुर चंद्रा, मुख्य सतर्कता अधिकारी, डीजल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ किया गया।

माननीय उपमुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में मा0 जनप्रतिनिधिगणों व अधिकारियों के साथ विकास कार्यक्रमों से सम्बंधित बैठक सम्पन्न

सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के विरूद्ध करें कड़ी कार्यवाही

भारत संवाद

- विद्युत उपभोक्ता विद्युत विभाग के कंज्यूमर एप्प को डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते है विद्युत बिल से सम्बंधित जानकारियां
- ब्लाक स्तर पर राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग एवं विकास कार्य से सम्बंधित अधिकारी नियमित अंतराल पर बैठक कर जनसमस्याओं का करें निस्तारण
- अभियान चलाकर बरसात के पूर्व सभी नाले-नालियों की सफाई कराये जाने के दिए निर्देश

माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में रविवार को सर्किट हाउस सभागार में मा0 सांसद, मा0 विधायकगण, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, जिलाधिकारी, अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, नगर निगम, विद्युत विभाग, एनएचआई, एयरपोर्ट सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी, जिसमें उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।मा0 उपमुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन रिंगरोड़ के प्रगति के बारे में सम्बंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी लेते हुए कहा कि रिंग रोड़ को 7-8 सेक्टरों विभाजित करते हुए रिंग रोड़ के अंदर व बाहर एक किलोमीटर की सीमा में स्थित जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण या आवास विकास परिषद के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवासीय, व्यावसायिक गतिविधिया, मनोरंजन, खेल-कूद की दृष्टि से विभाजित कर इस क्षेत्र को विकसित करने हेतु विधिवत कार्य योजना बनाने के लिए कहा है। उन्होंने उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण से इस क्षेत्र में प्लाटिंग किये जाने की गतिविधियों पर निगरानी किये जाने हेतु चेकिंग अभियान चलाये जाने के लिए कहा है ।मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने बैठक में मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा उठायी गयी विद्युत विभाग से सम्बंधित समस्याओं के बारे में विद्युत विभाग के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विद्युत विभाग लाइन लॉस को रोके, परंतु उपभोक्ताओं का किसी भी स्थिति में उत्पीड़न न होने पाये तथा जहां पर भी आवास बने है, वहां पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से जिन क्षेत्रों में कनेक्शन की संख्या बढ़ी है, वहां पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने एवं अवैध बिलिंग न होने पाये, के निर्देश दिए है। मा0 उपमुख्यमंत्री जी के द्वारा विद्युत विभाग के द्वारा गलत बिलिंग किये जाने की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता के द्वारा बताया गया कि ऐसी शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किया जाता है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब एक आनलाइन कंज्यूमर एप डेवलप किया गया है, जिसें गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है और एकाउंट/कनेक्शन नम्बर से लॉगिन कर लोड बढ़ाने, विद्युत बिल डाउनलोड करने, विद्युत बिल से सम्बंधित समस्त जानकारी प्राप्त करने एवं बिल जनरेट व भुगतान करने तथा अन्य सुविधाएं ऑनलाइन अप्लाई की जा सकती है।

11वीं के छात्र का सुसाइड

पिता कौशांबी के बिजली विभाग में करते हैं नौकरी, परिवार गया था पैतृक गांव

भारत संवाद

प्रयागराज, धूमनगंज थाना क्षेत्र में एक बिजली विभाग कर्मचारी के 17 वर्षीय बेटे ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। राजरूपपुर निवासी अजय शुक्ला के बेटे उत्तम शुक्ला ने शनिवार को यह कदम उठाया। उत्तम 11वीं कक्षा का छात्र था। अजय शुक्ला अपनी पत्नी और बेटी के साथ तिल्हापुर जाने वाले थे। उन्होंने उत्तम को भी साथ चलने को कहा। उत्तम ने जाने से मना कर दिया और घर पर ही रुक गया। परिवार आज घर वापस आया तो घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने और फोन करने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा तोड़कर अंदर जाने पर कमरे का दरवाजा भी बंद मिला। कमरे का दरवाजा तोड़ने पर उत्तम का शव पंखे से लटका मिला। धूमनगंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजन आत्महत्या का कोई कारण नहीं बता पाए हैं। थाना प्रभारी धूमनगंज ने बताया लाश को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू करा दी है। शेष परिवार से घटना के संबंध में तहरीर की मांग की गई है।

अभियान चलाकर बरसात के पूर्व सभी नाले-नालियों की सफाई करायी जाय : केशव प्रसाद मौर्य

उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधिगणों व अधिकारियों के साथ विकास कार्यक्रमों से सम्बंधित बैठक सम्पन्न

भारत संवाद

- सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भूमाफियाओं के विरूद्ध करें,कड़ी कार्यवाही
- विद्युत उपभोक्ता विद्युत विभाग के कंज्यूमर एप को डाउनलोड कर प्राप्त कर सकते है विद्युत बिल से सम्बंधित जानकारियां

लखनऊः उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में रविवार को सर्किट हाउस सभागार प्रयागराज में मा0 सांसद, मा0 विधायकगण, जिलाधिकारी, अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, नगर निगम, विद्युत विभाग, एनएचआई, एयरपोर्ट सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी, जिसमें उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए उपमुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन रिंगरोड़ के प्रगति के बारे में सम्बंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी लेते हुए कहा कि रिंग रोड़ को 7-8 सेक्टरों विभाजित करते हुए रिंग रोड़ के अंदर व बाहर एक किलोमीटर की सीमा में स्थित जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण या आवास विकास परिषद के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, आवासीय, व्यावसायिक गतिविधिया, मनोरंजन, खेल-कूद की दृष्टि से विभाजित कर इस क्षेत्र को विकसित करने हेतु विधिवत कार्य योजना बनाने के लिए कहा है। उन्होंने उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण से इस क्षेत्र में प्लाटिंग किये जाने की गतिविधियों पर निगरानी किये जाने हेतु चेकिंग अभियान चलाये जाने के लिए कहा है ।मा उपमुख्यमंत्री ने बैठक में मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा उठायी गयी विद्युत विभाग से सम्बंधित समस्याओं के बारे में विद्युत विभाग के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विद्युत विभाग लाइन लॉस को रोके, परंतु उपभोक्ताओं का किसी भी स्थिति में उत्पीड़न न होने पाये तथा जहां पर भी आवास बने है, वहां पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से जिन क्षेत्रों में कनेक्शन की संख्या बढ़ी है, वहां पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने एवं अवैध बिलिंग न होने पाये, के निर्देश दिए है। उपमुख्यमंत्री के द्वारा विद्युत विभाग के द्वारा गलत बिलिंग किये जाने की शिकायत के बारे में पूछे जाने पर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता के द्वारा बताया गया कि ऐसी शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किया जाता है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब एक आनलाइन कंज्यूमर एप डेवलप किया गया है, जिसें गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है और एकाउंट/कनेक्शन नम्बर से लॉगिन कर लोड बढ़ाने, विद्युत बिल डाउनलोड करने, विद्युत बिल से सम्बंधित समस्त जानकारी प्राप्त करने एवं बिल जनरेट व भुगतान करने तथा अन्य सुविधाएं ऑनलाइन अप्लाई की जा सकती है।

आगमन

यमुना स्वच्छता की पहल हेतु श्रीमती रेखा गुप्ता जी का परमार्थ निकेतन में अभिनन्दन

परमार्थ निकेतन में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी और कैबिनेट शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री उत्तराखंड, श्री धनसिंह रावत जी का आगमन

भारत संवाद

- विश्व विख्यात परमार्थ गंगा आरती में किया सहभाग
- यमुना जी की स्वच्छता, अविरलता और सिंगल यूज प्लास्टिक से नदियों को मुक्त करने पर हुई चर्चा
- ग्लोबल डे ऑफ पैरेंट्स, वर्ल्ड मिल्क डे व वर्ल्ड रीफ अवेयरनेस डे पर परमार्थ निकेतन में पर्यावरण, पोषण, परंपराओं के संरक्षण का दिया संदेश

ऋषिकेश। आज परमार्थ निकेतन में प्रेरणा, श्रद्धा और सेवा का अनुपम संगम हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी एवं उत्तराखंड के शिक्षा व स्वास्थ्य मंत्री श्री धनसिंह रावत जी का परमार्थ निकेतन में आगमन हुआ ।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने यमुना पुनरुद्धार की दिशा में महाअभियान का आह्वान करते हुये कहा कि अब यमुना की बारी और इस विषय पर विशद् चर्चा हुई ।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, जो वर्षों से गंगा, यमुना और अन्य नदियों के संरक्षण हेतु कार्य कर रहे हैं, ने यमुना को करुण पुकार करती जीवनदायिनी नदी कहते हुए आह्वान किया कि अब समय है कि हम यमुना जी को श्रद्धा, संरक्षण और सक्रिय भागीदारी के साथ अपनाएं। यमुना केवल दिल्ली की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर है ।स्वामी जी ने कहा कि यमुना जी एक जीवनधारा है परन्तु अब वह संघर्षधारा में बदल रही है। यमुना जी तो श्रीकृष्ण जी की बाल लीलाओं की साक्षी रही है, आज प्रदूषण और प्लास्टिक के कारण संकट में है। दिल्ली, मथुरा, आगरा जैसे बड़े शहरों की अनियोजित जल निकासी,

औद्योगिक कचरा और सिंगल यूज प्लास्टिक ने इसे गंभीर रूप से प्रदूषित कर दिया है ।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यमुना जी केवल एक नदी नहीं, वह संस्कृति की वाहक, आध्यात्मिक ऊर्जा की दायिनी और भावनाओं की धारा है। उसकी रक्षा केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का आधार भी है ।यदि माँ गंगा हमारी चेतना है तो यमुना जी हमारी भावना है। चेतना और भावना के बिना जीवन संभव नहीं इसलिए अब यमुना के लिए आवाज उठाना, सेवा करना और समाधान देना अनिवार्य हो गया है ।मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी ने कहा कि दिल्ली में यमुना की स्थिति गंभीर है, और दिल्ली सरकार इसे लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। परमार्थ निकेतन जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर जनचेतना को जनांदोलन में बदलना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक हम यमुना को माँ नहीं मानेंगे, तब तक हम उसकी रक्षा नहीं कर पाएँगे। श्रद्धा और सेवा का संगम ही समाधान है ।श्री धनसिंह रावत जी ने कहा कि मां गंगा और मां यमुना हमारी सभ्यता की आत्मा हैं। उत्तराखंड में हमने नदियों को साफ रखने हेतु अनेक योजनाएँ शुरू की हैं, ताकि दिल्ली और उत्तर प्रदेश तक यमुना जी स्वच्छ व निर्मल होकर पहुँचे ।समाज, संत और सरकार जब मिलकर आगे बढ़ते हैं, तब परिवर्तन निश्चित होता है। यमुना जी, जल की धारा नहीं, हमारे संस्कारों की धारा है। पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी जैसे संतों के नेतृत्व में यह अभियान जन-आंदोलन बनेगा।

प्रयागराज मण्डल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा में किया गया वृक्षारोपण

भारत संवाद

मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के मार्गदर्शन में प्रयागराज मंडल में दिनांक 22 मई, 2025 से 5 जून, 2025 तक एंड प्लास्टिक पॉल्यूशन (प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करें) थीम पर विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा मनाया जा रहा है। यह पहल वृक्षारोपण, स्वच्छता, हरियाली, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त रेलवे परिसरों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत 31 मई, 2025 से 2 जून, 2025 तक सतत रेलवे संचालन एवं हरियाली संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है ।रेलवे कॉलोनियों और स्टेशनों के आस-पास के हरित क्षेत्रों की सफाई और देखरेख पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सामुदायिक भागीदारी से साफ-सफाई अभियानों का आयोजन होगा ।जैव-शौचालयों की निगरानी और कचरा प्रबंधन को और बेहतर बनाया जाएगा। साथ ही, एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत पर्यावरण हितैषी उत्पादों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा ।आज दिनांक 01.06.2025 को विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत ॠ+5 बिल्डिंग के पीछे मालगोदाम कालोनी में 1500 पौधों का वृक्षारोपण किया गया । इस वृक्षारोपण अभियान में अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह; अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री नवीन प्रकाश; वरिष्ठ मंडल पर्यवरण एवं रखरखाव प्रबंधक, श्री आलोक केशरवानी; वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, श्री वैभव गुप्ता; वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-कक, श्री भूपेश पाण्डेय, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर एवं जिला आयुक्त/भारत स्काउट एवं गाइड; वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-कक, श्री आकाश श्रीनेत्र एवं मंडल इंजीनियर/सम्पदा, श्री अर्चित जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।प्रयागराज मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा में 40000 पौधों के वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । इसी क्रम में प्रयागराज जंक्शन क्षेत्र में 1500, प्रयागराज छिवकी स्टेशन परिसर व कालोनी में 800, नैनी स्टेशन परिसर व कालोनी में 500 एवं रेल गाँव कालोनी में 4000 पौधों के वृक्षारोपण किया गया । इसी क्रम में मिजार्पुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ़ एवं खुर्जा सहित प्रमुख स्टेशनों पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है । प्रयागराज मंडल रेलवे को स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए संकल्पित है ।

पर्यावरण अभियान हम सबके लिए एक सशक्त संदेश है कि पर्यावरण की रक्षा और स्वच्छता के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं । रेलवे परिसरों को प्लास्टिक मुक्त, स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ पर्यावरण मिल सके ।

महिला मित्र मंडल ने लगायी मीठे शरबत की छबील

भारत संवाद

सहारनपुर।भीषण गर्मी के इस मौसम में प्यासे राहगीरों के लिए राहत का संजीवनी बनते हुए महिला मित्र मंडल द्वारा साहिब जी नगर कॉलोनी के गेट पर मीठे शरबत की छबील लगाई गई। इस सेवा कार्य का उद्देश्य धूप में चलते राहगीरों को ठंडा पेय जल उपलब्ध कराना और गर्मी से थोड़ी राहत देना था। इस पुण्य पहल में महिला मित्र मंडल की सदस्याएं पूरे उत्साह के साथ सहभागी रहीं। राहगीरों को रोक-रोक कर ठंडा शरबत पिलाया गया और मुस्कान के साथ गर्मी की तपन में राहत देने का प्रयास किया गया। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में मीरा अग्रवाल, रश्मि त्यागी, वीणा बहुगुणा, बिंदु पांडेय, शशि बाला, चारु कपूर, रतिका, सुमन शर्मा, नूपुर बंसल, गुरजीत बजाज, अल्का और आदि का विशेष योगदान रहा। सभी सदस्यों की सहभागिता से पिलाया गया और मुस्कान के साथ गर्मी की तपन में राहत देने का प्रयास किया गया। सभी सदस्यों की सहभागिता और सेवा भावना अत्यंत सराहनीय रही। स्थानीय नागरिकों ने इस प्रयास की खूब प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार की सेवाएं समाज में सकारात्मकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देती हैं।

अहिल्याबाई होल्कर धर्मपारायणता से नारी समाज के साथ देश का गौरव बनी : डॉ.रीनू

राजमाता अहिल्याबाई होल्कर शक्ति की प्रतीक और देश की प्रत्येक महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

भारत संवाद

प्रयागराजः तीन सौ वर्ष पहले एक विधवा नारी ने जिस प्रकार मालवा राज्य को संभाल कर कश्मीर से कन्याकुमारी तक धर्मपरायणता, कुशलशासक, न्याय परोपकार, शक्ति शौर्य से आज देश के नारी समाज का सम्मान और देश का गौरव बनी है और वह भगवान शिव की अनन्य भक्त थी। उक्त बातें चाका के पीएम श्री उच्च प्राथमिक संविलियन विद्यालय पालपुर में समर कैम्प के दौरान आयोजित रानी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में मिशन शक्ति कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सहायक अध्यापिका व स्टेट अवार्डी शिक्षिका डॉ.रेनू जायसवाल ने बच्चों को बताई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में चल रहे समर कैम्प में बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए थाना घुरपुर से महिला पुलिस की पूरी टीम व हेड कॉन्स्टेबल पूनम विद्यालय में उपस्थित रहीं और उनके द्वारा बच्चियों को महिला सशक्तिकरण एवं सेल्फ डिफेंस के बारे में जानकारी दी तथा विद्यालय में चल रहे समर कैंप की गतिविधियों के साथ-साथ मिशन शक्ति की गतिविधियां जो विभाग द्वारा मिली थी जिसमें बच्चियों की दौड़ व रंगोली आदि प्रतियोगिता कराई गई सभी का अवलोकन महिला पुलिस की टीम द्वारा बड़े ही सुंदर ढंग से किया गया। हेड कॉन्स्टेबल पूनम ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होल्कर शक्ति की प्रतीक और देश की प्रत्येक महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। वहीं विद्यालय की बच्चियों को महिला पुलिस व उनकी पूरी टीम से बात करके बहुत अच्छा लगा और जब कार्यक्रम के संचालक व विद्यालय की शिक्षिका डॉ.रीनू जायसवाल ने बच्चियों से पूछा कि क्या वे बड़ी होकर पुलिस बनना चाहेंगी तो सभी ने एक स्वर के साथ हां में उत्तर दिया। विद्यालय की बच्चियों के लिए यह एक अच्छा अनुभव था। पीएम श्री विद्यालय पालपुर, चाका में जहां पिछले चार वर्षों से समर कैंप स्वतः प्रेरित शिक्षकों द्वारा आयोजित किया जा रहा था और इस वर्ष विभागीय आदेश द्वारा स्वतः समर कैंप कराया जा रहा है। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियां विभाग द्वारा निर्धारित की गई, जिसका क्रियान्वयन स्वतः प्रेरित शिक्षिका डॉ.रीनू जायसवाल जो कि विगत वर्ष उत्तर प्रदेश शासन द्वारा राज्य शिक्षक अवार्ड से सम्मानित हुई है

फास्ट ट्रैक

थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 11.05.2025 को वादी राम दयाल कहार पुत्र स्व0 दुखी निवासी फुलियारी थाना हलिया जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं हत्या कर देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ड्रमण्डगंज पर मु0अ0सं0-73/2025 धारा 85,80(2) बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी ड्रमण्डगंज को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 01.06.2025 उप निरीक्षक मनसुख यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर 01 नफर अभियुक्त लवकुश पुत्र अवधेश निवासी ग्राम बंजारी कलां थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 31.05.2025 को वादी श्यामजी प्रजापति पुत्र बेचु प्रजापति निवासी सहजनी थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात आटो चालक द्वारा वादी के बैंग में रखे पैसे चोरी करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0- 166/2025 धारा 304 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी तथा चोरी के सामानों की बरामदगी कराये जाने हेतु थाना प्रभारी अदलहाट को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में दिनांकः 01.06.2025 को उपनिरीक्षक रणजीत सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबीर के सुचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्र से अभियुक्त 1. हरवंश तिवारी पुत्र निवास तिवारी निवासी ग्राम टेढुआ थाना अदलहाज जनपद मीरजापुर व 2.विक्की यादव पुत्र बाबुलाल यादव निवासी ग्राम टेढुआ थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तों के कब्जे से चोरी गया 4000 रुपए व आटो वढ 65 छळ 4749 बरामद किया गया । थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 01.06.2025 को उप निरीक्षक धन्नजय सिंह मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी सतीश रवि सोनकर पुत्र रामचन्दर सोनकर निवासी चौबेघाट पुतलीघर थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जमालपुर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 01.06.2025 को उप निरीक्षक सुनील राय मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी सतीश कुमार जयसवाल पुत्र सोहनलाल जयसवाल निवासी चिलबिलिया थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के चौथे दिन उत्तर प्रदेश के मेरठ में किसानों से मिले श्री शिवराज सिंह चौहान, चारपाई पर बैठकर की चर्चा

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत के हर किसान को सम्मानित किया है श्री शिवराज सिंह चौहान

- खेती के लिए चौधरी चरण सिंह जी से बड़ी प्रेरणा कोई हो ही नहीं सकती है केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह
- खेती को ठीक से समझने के लिए किसानों के बीच जाना जरूरी श्री चौहान
- हम एक टीम के रूप में कृषि की उन्नति के लिए दिन-रात विचार कर रहे हैं श्री शिवराज सिंह

भारत संवाद

करोड़ों किसानों से संवाद के लक्ष्य के साथ विकसित कृषि संकल्प अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस देशव्यापी अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे है। ओडिशा से शुभारंभ के बाद, जम्मू और उसके बाद हरियाणा के पानीपत से होते हुए इस अभियान के तहत केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज चौथे दिन उत्तर प्रदेश के मेरठ में किसानों से संवाद किया। मेरठ के दबथुवा ग्राम और जन्गेथी ग्राम में चारपाई पर बैठकर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने चर्चा की। इस दौरान किसानों की व्यावाहारिक समस्याओं को भी सुना और उनके समाधान के मार्ग भी सुझाएं।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत के हर किसान को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि यह संयोग है कि 29 मई को चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि थी और उसी दिन हमने विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रारम्भ किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह से बड़ी प्रेरणा खेती के लिये और कोई नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। श्री चौहान ने कहा कि किसान अन्नदाता भी है और जीवनदाता भी। उन्होंने कहा कि किसान मेरे रोम- रोम में है और खेती हर सांस में बसी है। विकसित खेती और समृद्ध किसानों के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि खेतों में जाकर ही समस्या का असली पता चलता है। जैसे आज गन्ने की खेती में देखा की एक रोग जिसे स्थानीय भाषा में किसान लाल सड़न कहते है, किस प्रकार से हानिकारक है। ऐसे ही कई उदाहरण है जिन्हें जमीन पर उतर कर ही समझा जा सकता है।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों और वैज्ञानिकों को जोड़ने और लैब टू लैंड की दिशा में आगे बढ़ने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान की कल्पना की गई है। शोध का लाभ किसानों तक पहुंचे इसके लिए 16 हजार वैज्ञानिकों की 2170 टीमें बनाई गई हैं, जो गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद कर रही हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो लोग खेती के लिये नकली दवाईयां बनाकर व्यापार कर रहे हैं उनके खिलाफ जल्द ही सख्त कानून बनाया जायेगा और आवश्यकता पड़ने पर उनके लाइसेंस भी रद्द कर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि चर्चा से समस्या के निदान और आगे के शोध का रास्ता निकलना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों से गन्ने के साथ-साथ वैज्ञानिकों से विचार कर अन्य विकल्पों की दिशा में भी आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने गौ संरक्षण एवं पशुपालन व्यवस्था की समीक्षा की

अब तक 89326 पशुओं का कृत्रिम गभार्धान एवं 14650 पशुओं का टीकाकरण किया गया

- मुख्यमंत्री सहभागिता योजना में 2062 लाभार्थियों को 5735 गौवंश वितरित किए गए
- मंत्री ने नस्ल सुधार, बधियाकरण एवं संक्रामक रोगों के नियंत्रण पर दिया विशेष बल
- गौवंश संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत हाईवे के किनारे बसे गौवंशों को पहनाई जाएंगी रडियम बेल्ट

भारत संवाद

अलीगढ़, (सू0वि0): प्रदेश के मा0 मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन श्री धर्मपाल सिंह जी ने रविवार को सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ गौ-संरक्षण, पशुपालन सेवाओं, चारागाह प्रबंधन एवं संचारी रोग नियंत्रण संबंधी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। मा0 मंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 01 ट्रिलियन तक पहुँचाने के लिए पशुधन विभाग का महत्वपूर्ण स्थान है। किसान की आय केवल खेती से ही नहीं बल्कि पशुपालन से भी दोगुनी हो सकती है। यदि खेती प्रभावित होती है तो पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने गायों को प्राथमिकता पर रखा है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने निराश्रित गौवंश के संरक्षण के लिए 06 विभाग पंचायतीराज, ग्राम्य विकास, नगर विकास, राजस्व, पुलिस एवं पशुपालन विकास की टीम तैयार कर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गौवंश संरक्षण एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत प्रदेश भर में प्रथम चरण में हाईवे के किनारे बसे ग्रामों में गौवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाई जाएंगी ताकि रात्रि के अंधेरे में सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास, राजनैतिक पेंशन श्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौवंश संरक्षण के लिए सभी जिलास्तरीय एवं ग्राम स्तरीय गौशालाओं की नियमित मॉनीटरिंग की जाए। संचारी रोग नियंत्रण के लिए पशुओं के टीकाकरण एवं उपचार की व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाया जाए। चारागाहों की भूमि से अवैध कब्जे तत्काल हटाकर उनका सीमांकन एवं पुनः चारागाह के रूप में विकास कराया जाए। गौशालाओं के संचालन में पारदर्शिता, स्वच्छता एवं हरा चारा-पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि देशी गायों का संरक्षण हम सभी का उत्तरदायित्व है। नस्ल सुधार के लिए क्रत्रिम गभार्धान निःशुल्क है।

सीडीओ शिकायत पटल बाबू हुए सेवानिवृत्त, कर्मचारियों ने दी विदाई

भारत संवाद

सहारनपुर। ग्राम्य विकास विभाग के जिला विकास कार्यालय विकास भवन के वरिष्ठ सहायक/शिकायत पटल पर कार्यरत संजय गौतम को अपनी अधिवर्षता पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में इंद्रपाल सिंह यादव उपयुक्त स्वरू रोजगार (डीसी मनरेगा) की अध्यक्षता में समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई गई। इंद्रपाल सिंह यादव (डीसी मनरेगा) ने उनकी शिकायत पटल के कार्यों को गति से निस्तारण एवं अन्य सेवाओं को याद करते हुए उनको शॉल उढ़ा कर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त संजय गौतम को विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी द्वारा गीता एवं अंगवस्त्रम अन्य पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने संजय गौतम के कार्यों की सराहना कर उन्हें भावपूर्ण विदाई दी। अंत में राजेंद्र त्यागी प्रशासनिक अधिकारी जिला विकास कार्यालय ने संजय गौतम की 30 वर्ष के सेवाकाल के कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान तरुण राठौर उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ, अश्वनी कुमार संगठन मंत्री एवं दानिश सिद्दीकी जिलामंत्री उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी एसोसिएशन ने संजय गौतम को प्रशंसा पत्र भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन सलीम कौसर सूचना अधिकारी ने किया।

मुस्कुराना चाहते हैं

गम के आंसू को छुपा कर मुस्कुराना चाहते हैं
प्यार की बस्ती में अपना घर बनाना चाहते हैं
स्वार्थ में डूबे यहाँ पर कैसे कैसे लोग हैं
साथ इनका छोड़कर कुछ दूर जाना चाहते हैं
वह तुम्हें क्या दे सकेगा जो कि खुद कंगाल है
हम हमारे नूर से रोशन खजाना चाहते हैं
जाति मजहब की तरफ जो भावनाएँ मुड़ रहीं
एकता की राह पर उनको चलाना चाहते हैं
उठ रहा आतंक का तूफान पूरे विश्व में
अपने गुलशन को तबाही से बचाना चाहते हैं
दुश्मनों को भी निरखते दोस्तों के भाव से
उनके दिल में भी शराफत हम जगाना चाहते हैं
मेरी कविता चल पड़ी है दिल से दिल को जोड़ने
प्यार की दिलकश शमां में जगमगाना चाहते हैं
हम पहुंच कर ही रहेंगे अपनी मंजिल के शिखर पर
इस जहाँ को बात यह खुलकर बताना चाहते हैं

रचनाकार – देवेन्द्र तिवारी देव

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने स्व.जगपाल दास गुर्जर को श्रद्धासमुन अर्पित किए

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार आवास विकास स्थित स्वर्गीय जगपाल दास राष्ट्रीय सचिव राष्ट्रीय लोक दल के आवास पर पहुंचे एवं उनके परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की एवं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी उनके दोनों बेटे रूपेश कुमार एवं हिमांशु को ढाढस बधाते हुए मंत्री जी ने कहा की संकट की घड़ी में पूरा राष्ट्रीय लोक दल परिवार आपके साथ है इस अवसर पर उनके साथ मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष शाहजमां खान प्रदेश महासचिव चैधरी धीर सिंह प्रदेश सचिव अयूब हसन महानगर अध्यक्ष भूषण चैहान क्षेत्रीय सचिव मनोज वर्मा जिला उपाध्यक्ष चैधरी गजेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा अरविंद मलिक नानोता नगर अध्यक्ष शहजाद मलिक अनुराग चैधरी

सहारनपुर क्लब में क्लब नाईट धूमधाम से मनाया गया

भारत संवाद

सहारनपुर। सहारनपुर क्लब में क्लब नाईट कार्यक्रम बडी धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम मे अवसर पर डी.जे. एवं म्यूजिक ने अपने गीत-संगीत से समां बांध दिया। इस अवसर पर भोजन की भव्य व्यवस्था रही।

सहारनपुर क्लब के सचिव हेमन्त जोशी जी ने बताया कि एक-दो माह एवं हर त्योहार में क्लब सदस्यों के लिये ऐसी ही उत्तम व्यवस्था रहेगी एवं कोशिश रहेगी कि क्लब को हमेशा नई ऊँचाईयों पर ले जाया जाए। संयुक्त सचिव जोधबीर सिंह (बन्नी) ने कहा कि क्लब नाईट क्लब परिवार का मिलने का एक मौका होता है जिसमे सभी सदस्य एक दूसरे के साथ सदभावनापूर्ण तरीके एवं अपनेपन के साथ कार्यक्रम को मनाते है। कार्यकारिणी सदस्य माई दयाल सिंह मित्तल एवं अमित जोली का इस अवसर पर पूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। प्रमुख तौर पर पूर्व सचिव मुकेश गोयल, पूर्व सचिव डा मोहन सिंह, पूर्व सचिव सतेन्द्र पाल सिंह सदस्यगण गौतम शंकर सिंघल, गौरव अग्रवाल, चरण पाल सिंह, अवनीत नागपाल, परविन्दर सिंह, डा पंकज खन्ना, सिकन्दर बीर सिंह, विजय मोदी, मनप्रीत बत्रा, अनिल भारद्वाज, सन्नी दुआ, गुलशन कटियाल, बलवंत रॉय, संजय चावला, संजय जैन, हरीश अरोडा, गौरव गोयल, मुकुन्द मनोहर गोयल, विनय आहुजा आदि उपस्थित रहे।

जवाहर पार्क मे देहदान कर्तव्य संस्था ने देहदान, नेत्रदान एवं रक्तदान के लिए किया जागरूक

भारत संवाद

देहदान कर्त्तव्य संस्था के अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ को सदस्य दीपक गुप्ता (कुमार टिम्बर) का फोन आया कि नकबी पार्क में सुबह आयोजित योगा क्लास में आ कर उपरोक्त विषय पर जागरुक करने के वास्ते मानवीय सकारात्मक विचार प्रस्तुत करें। डॉ गौड़ ने एकत्रित समूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योगा उत्तम है। इससे भी बढ़कर दूसरों के सहयोगी बनना जिसमें अपना कतई नुकसान ना हो सर्वोच्च है, अर्थात अंग/देह/ रक्तदान, मरणोपरांत दान कर ईश्वरी पार्थिव शरीर को जलाने की जगह दान कर उसी के बन्दों को सहयोगी बन रहे हैं। आँखें दान के बाद दो लोगों (जिनको कौरनिया लगाई हैं) की जिंदगी तक जीवित बने रहेंगे। शरीर दान मैडिकल कॉलेज विद्यार्थियों को कुशल प्रशिक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। एक यूनिट रक्तदान से चार लोगों को सहयोगी बनने के साथ स्वयं की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। ऐसा कर स्वयं को आत्म संतुष्टि मिलती है जो कहीं से खरीदी नहीं जा सकती। ऐसे कर्मठ लोगों पर ईश्वरी विशेष कृपा बनी रहती है। डॉ गौड़ ने सभी का आह्वान करते हुए अपना मोबाइल नम्बर देकर कहा कि केवल आप किसी की भी मृत्यु सूचना दें, शेष कार्य निर्विघ्न संस्था करेगी। डॉ गौड़ ने लोगों के प्रश्नों का उत्तर सरल भाषा में दिया। इस अवसर पर सदस्य धीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जागरूकता हेतु ऐसी गोष्ठियाँ होती रहना चाहिए। डॉ ए के शर्मा (नेत्र विशेषज्ञ), एडवोकेट दिनेश मित्तल, एडवोकेट सौरभ अग्रवाल, भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक, समाजसेवी दिलीप दामोदर वार्ष्णेय, किरण वार्ष्णेय, आर के शर्मा, रश्मि तिवारी, उर्वशी गुप्ता, अंजू अग्रवाल, नेहा, अजय शर्मा, जगदीश शर्मा, कांता शर्मा आदि बने।

हिन्दू जागरण मंच की आवश्यक बैठक सम्पन्न

भारत संवाद

सहारनपुर। हिंदू जागरण मंच महानगर सहारनपुर की एक बैठक आज सिद्ध पीठ मृत्युंजय मंदिर मल्हीपुर सहारनपुर पर सम-सामायिक विषयों व संगठन पर विचार हेतु बैठक आहूत की गई है जिसमें प्रांत अध्यक्ष ठाकुर सूर्यकांत सिंह की विशेष रूप से उपस्तिथ रहे। सभा की अध्यक्षता बीर सिंह चैहान महानगर अध्यक्ष ने की व संचालन डा.आरके. यादव महामंत्री ने किया। इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए प्रांत अध्यक्ष ठाकुर सूर्यकांत सिंह ने कहा कि आज सनातन हिंदू समाज के समक्ष बाह्य व आंतरिक सुरक्षा दोनो मोर्चों पर चुनौती खड़ी हुई है। देश के अंदर जिस प्रकार से देश में इंडि गठबंधन के दलों के नेता अवैध धर्म स्थलों के निर्माण कराकर और उन पर हुई प्रशासनिक कार्यवाही को आधार बनाकर जिले में वातावरण को विषाक्त करने का कुत्सित प्रयास कर रहे वह न केवल निंदनीय है

फर्जी बैनामा कराने वालों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग

भारत संवाद

सहारनपुर। करोड़ों रुपए की कीमत के दुबई मॉल पर कब्जा करने का मामला प्रकाश में आया है आज एक व्यक्ति ने उक्त भूमि को अपनी बताते हुए कहा कि फर्जी बैनामा के आधार पर उनकी जमीन को हाजी नौशाद अहमद ने कब्जा लिया है और वह अधिकारियों के चक्कर लगाकर परेशान हो गए हैं उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है। आज कोर्ट रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में खान आलम पुरा निवासी अनीस अहमद ने अपनी पत्नी के साथ पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि देहरादून रोड पर बना दुबई मॉल उनकी जमीन पर गैर कानूनी तरीके से बनाया गया है उनकी जमीन पर खेड़ा मुगल निवासी हाजी नौशाद ने फर्जी बनाना के साथ कब्जा किया है। अनीस अहमद ने बताया कि उनके बड़ों ने हुसैन बॉक्स को यह जमीन रहने के लिए दी थी लेकिन उनके लोगों ने ही जमीन को बेच दिया उन्होंने बताया कि 2011 में जमीन को दाखिल खारिज कराकर अपने नाम कराया गया था और तब से उनका ही नाम दर्ज चल रहा है उन्होंने बताया कि इसी बीच अब्दुल वाहिद अहमद नामक व्यक्ति ने फर्जी में फर्जी कागजों के आधार पर खेड़ा मुगल निवासी हाजी नौशाद को यह यह जमीन बेच दी थी उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 से ही जमीन को खाली करने के लिए वह लोग अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कमिश्नर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नगर निगम विकास प्राधिकरण और संबंधित थाने को शिकायत भी की गई है

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा । फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है यह मिनरल, मिलते हैं ये 3 फायदे

सोडियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स के बारे में तो आप सभी जानते होंगे लेकिन क्या आपको मालूम है कि मैग्निशियम हमारे शरीर के लिए क्यों जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए हमें कई तरह की विटामिन और मिनरल्स की जरूरत पड़ती है, अधिकतर हम कैल्शियम, सोडियम आयरन को ही तरजीह देते हैं, लेकिन आपको बता दें कि मैग्नीशियम भी हमारी सेहत के लिए उतना ही जरूरी है इसकी कमी के कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती है। मैग्नीशियमसे हमें क्या क्या- फायदे हो सकत हैं, इस बारे में आइए जानते हैं।

मैग्निशियम हमारे लिए क्यों जरूरी है

सोडियम कैल्शियम और पोटेशियम के बाद मैग्नीशियमफोर्थ मोस्ट कॉमन मिनरल है, इससे न सिर्फ मसल्स को फायदा होता है बल्कि इससे नर्व फंक्शन और बोन फॉरमेशन करने में भी मदद मिलती है। यह बोन स्ट्रक्चर और उम्र बढ़ाने के साथ बोन डेंसिटी को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही यह एंग्जाइटी, इनसोम्निया, माइग्रेन मैं भी मदद कर सकता है। यह नर्वस सिस्टम को शांत करता है और ब्रेन को आराम देने में मदद करता है, जिससे कोर्टिसोललेवल कम होता है।
रोजाना हमें 200 ग्राम से 300 ग्राम तक मैग्नीशियम की जरूरत होती है। एक्सपर्ट बताते है कि अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी है, आप एंटाएसिड पर रहते हैं, आपको क्रॉनिक डायरिया है अल्कोहल का सेवन करते हैं और स्मोकिंग करते हैं तो इससे मैग्नीशियम का अब्जॉर्प्शन नहीं हो पाता है।

मैग्नीशियम के सोर्स

नट्स जैसे बादाम, अखरोट, काजू, कद्दू के बीज, एवोकाडो, पालक या हरी पत्तेदार सब्जियों में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है।

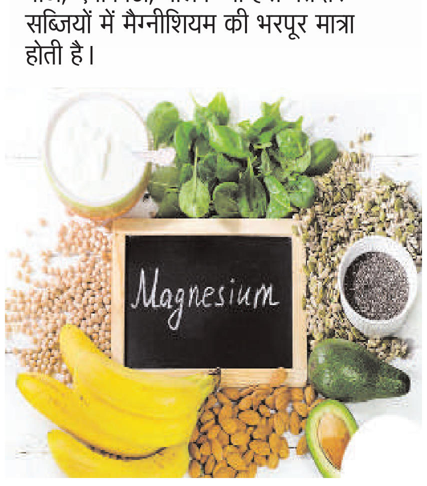

एक दिन में इतने पिस्ता खाने से घट सकता है वजन, एक्सपर्ट से जानें

क्या आप भी वजन घटाना चाहती हैं? तो पिस्ता को अपनी डाइट में शामिल कर सकती हैं। आइए, यहां जानते हैं कि एक दिन में कितने पिस्ता खाने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।

ड्राई फ्रूट्स को हेल्थ के लिए हमेशा फायदेमंद माना जाता है। हेल्दी ड्राइफ्रूट्स में बादाम, अखरोट और काजू की सबसे ज्यादा बात की जाती है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि पिस्ता गुणों की खादान है। पिस्ता सिर्फ हेल्थ के लिए फायदेमंद ही नहीं, बल्कि वजन मैनेज में भी मदद करता है। पिस्ता में ऐसे फाइबर कंटेंट होते हैं जो फूड क्रेविंग्स और भूख को कंट्रोल करते हैं, जिससे वजन को मेंटेन करने में मदद मिलती है।
ऐसे तो सोशल मीडिया पर वजन मैंटेन करने के लिए कई सारे टिप्स मौजूद हैं, जिसमें तरह-तरह के नट्स और ड्राईफ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन पिस्ता में दूसरे ड्राईफ्रूट्स के मुकाबले कम कैलोरीज होती हैं, जो वजन को मैनेज करने में मदद करती है। अब सवाल उठता है कि वजन मैनेज करने के लिए एक दिन में कितना पिस्ता खाना चाहिए, इसके लिए हमने एक्सपर्ट से बात की है। एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता एक बेहतरीन हेल्दी स्नेक है। पिस्ता खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो अपना वजन मैनेज करना चाहते हैं। पिस्ता खाने से कंपलीट हाई क्वालिटी प्लांट प्रोटीन मिलता है, जो एक जरूरी मैक्रोन्यूट्रियंट है। वजन कंट्रोल करने में पिस्ता मददगार साबित हो सकता है।
एक्सपर्ट के मुताबिक, पिस्ता में प्रोटीन, फाइबर और हेल्दी फैट्स मौजूद होते हैं, जो आपको फुल महसूस कराते हैं। इससे आप अपने खाने की मात्रा को कंट्रोल कर सकते हैं और ओवर इटिंग से भी बच सकते हैं।
पिस्ता को लेकर कई तरह की रिसर्च सामने आ चुकी हैं, जिनमें पिस्ता को बेहतरीन स्नेक बताया गया है। क्योंकि इसमें मौजूद तत्वों से डाइजेशन स्लो होता है और भूख भी कम लगती है। नाश्ते और लंच के बीच लगने वाली भूख के लिए पिस्ता एक बेहतरीन स्नेक की तरह हो सकता है।

एक दिन में कितना पिस्ता खाएं?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 28 ग्राम कैलिफोर्निया पिस्ता में 6 ग्राम प्रोटीन और 3 ग्राम फाइबर मिलता है। एक दिन में लगभग 28 ग्राम पिस्ता खाना आपको वजन मैंटेन करने में मदद कर सकता है। पिस्ता में 30 तरह के जरूरी न्यूट्रियंट्स होते हैं और 90 पर्सेंट अनसेचुरेटेड हार्ट-हेल्दी फैट मौजूद होते हैं।

पिस्ता खाने के फायदे

- पिस्ता बॉडी मास इंडेक्स कंट्रोल करने में भी मदद करता है। पिस्ता को लिमिट और कंट्रोल तरह से खाने से वजन के साथ-साथ लटकता पेट भी कम हो सकता है।
- पिस्ता वजन घटाने के साथ-साथ दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इससे ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल लेवल कंट्रोल में रहते हैं, जिससे दिल की तंदरुस्ती बनी रहती है.
- पिस्ता को आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है। पिस्ता में एक ऐसा तत्व मौजूद होता है, जो आंखों की रोशनी तेज करने में मदद कर सकता है।
- पिस्ता में मौजूद तत्व, डायबिटीज और हाई ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करते हैं।
- पिस्ता में मेमलाटोनिन नाम का एक तत्व होता है जो नींद की समस्या को दूर करता है. साथ ही पिस्ता में कई ऐसे तत्व होते हैं जो मौसमी बीमारियों से भी शरीर को बचाते हैं।

क्यों दूसरे ड्राईफ्रूट्स के बीच पिस्ता चुनें?

जब भी ड्राईफ्रूट्स या नट्स की बात आती है, तो ज्यादातर लोगों की पसंद बादाम और अखरोट रहते हैं. लेकिन पिस्ता में सबसे कम कैलोरी होती होती है। कम कैलोरी होने की वजह से आप इसे खाना फायदेमंद हो सकता है. एक पिस्ता में सिर्फ 3 कैलोरी होती है, वहीं एक बादाम में 10 कैलोरी मौजूद होती है। पिस्ता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन बी भी मौजूद होता है। बादाम के बाद हरे नट्स में सबसे ज्यादा प्रोटीन पाया जाता है।

क्या पिस्ता बढ़ा सकता है वजन?

पिस्ता खाने के अनेकों फायदे हैं, लेकिन किसी भी चीज को लिमिट से ज्यादा खाना नुकसान पहुंचा सकता है। पिस्ता भी अगर लिमिट में खाया जाए तो वह शरीर का वजन नहीं बढ़ाता है और हेल्थ के लिए भी फायदेमंद रहता है। पिस्ता को लिमिट में खाने के लिए ऐसी सलाह दी जाती है कि इसे शेल वाला पिस्ता यानी बिना छिले हुए पिस्ता लेने चाहिए।

डिप्रेशन का शिकार होने से पहले नजर आते हैं ये 6 लक्षण

डिप्रेशन एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या है ,जिसका समय पर इलाज जरूरी होता है। आजकल के दौर में युवा नौजवान डिप्रेशन के चपेट में तेजी से आ रहे हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को यह मालूम ही नहीं चलता है कि वो डिप्रेशन के शिकार हैं,कई बार मामला हाथ से निकल जाता है। ऐसे में हम आपको वो 6 लक्षण बता रहे हैं जो डिप्रेशन का शिकार होने से पहले किसी भी व्यक्ति में नजर आता है।
अगर आप बहुत ज्यादा खा रहे हैं या बहुत कम खा रहे हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। तनाव के कारण आपको ज्यादा भूख लगती है। तनाव को कम करने के लिए लोग अच्छा खाना खाना चाहते हैं इससे उन्हें सुकून मिलता है, वहीं तनाव के कारण भोजन को लोग बोझ समझने लगते हैं। दोनों ही स्थिति डिप्रेशन की तरफ इशारा करती है।
दुख और निराशा की भावना डिप्रेशन के सबसे आम लक्षणों में से एक है। अगर आप किसी भी काम को करने से पहले निराश हो जाते हैं या छोटी छोटी बातों पर दुखी हो जाते हैं तो आपको इसे डिप्रेशन का लक्षण समझना चाहिए
आपको बार बार मीठा खाने की क्रेविंग होती है यह भी डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण की तरफ इशारा करता है। दरअसल तनाव होने पर शरीर को अधिक कैलोरी की जरूरत पड़ती है और इससे मीठा खाने की इच्छा बढ़ जाती है।
पहले जिस काम को आप खूब आनंद लेकर करते थे और अब आपको उस काम में बिल्कुल भी रुचि नहीं है तो यह भी डिप्रेशन की शुरुआती लक्षणों की तरफ इशारा करता है।
डिप्रेशन से प्रभावित लोग खाने के लिए मन नहीं करता और वे भोजन को एक बोझ मान सकते हैं। अगर आप बिल्कुल भी सो नहीं पाते हैं या बहुत अधिक देर सोते हैं तो ये डिप्रेशन के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। चिंता के कारण आपको नींद नहीं आती है ,वहीं ऊर्जा की कमी के कारण आप अधिक सोने लगते हैं।
अगर आप आसानी से किसी भी बात पर भड़क जाते हैं, कोई कुछ कह देता है तो आप चिड़चिड़े होकर गुस्सा करने लगते हैं तो यह भी डिप्रेशन की तरफ इशारा करता है। चिंता के कारण व्यक्ति पर निरंतर भावनात्मक दबाव बना रहता है जिससे वे छोटी-छोटी बातों पर भी भड़क सकते हैं।

सेहत के लिए बेहद लाभकारी है यह लाल फल

नाशपाती तो आप सभी ने खाई होगी। यह मानसून में खूब मिलता है। खट्टा मीठा स्वाद इसका खूब पसंद आता है। अमूमन लोग हरे या पीले कलर की नाशपाती खाते हैं लेकिन क्या आपको मालूम है कि लाल रंग की भी नाशपाती होती है,जो की सेहत को काफी ज्यादा फायदा पहुंचती है।

लाल नाशपाती खाने के फायदे

लाल नाशपाती खाने से दिल के सेहत को बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हानिकारक मुक्त कणों को भी असर करने में मदद करते हैं ऑक्सीडेटिव छाती और सूजन को रोकते हैं जो हृदय रोग में योगदान कर सकते हैं।
लाल नाशपाती खाने से पाचन तंत्र को भी स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है इसमें उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो आंतो की गतिशीलता को सुधरता है गैस कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।
इसे खाने से त्वचा को भी फायदा मिलता है विटामिन सी और फ्लेवोनॉयड से भरपूर लाल नाशपाती त्वचा को मुक्त कणों से बचते हैं उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में सहायक होते हैं।
लाल नाशपाती में कैलोरी की बहुत कम मात्रा होती है और इसकी उच्च फाइबर सामग्री वजन नियंत्रित करने में सहायक हो सकती है जब आप फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ कहते हैं तो आपको भूख बार-बार नहीं लगती है और कम खाने से आपका वजन कम हो सकता है।
इससे आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है इसमें विटामिन के होता है जो हड्डियों के लिए काफी जरूरी है पोटेशियम होता है जो शरीर में फ्लूड संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

केले का शेक पीने के हैं शौकीन तो पहले जान लीजिए इसके नुकसान

बहुत से लोगों को केला खाने की जगह उसका शेक पीना काफी अच्छा लगता है। हालांकि, केले के शेक को पीने से आपको कई तरह के नुकसान उठाने पड़ सकते हैं।

बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर किसी को केले का शेक बनाकर पीना काफी अच्छा लगता है। कभी सुबह नाश्ते के समय तो कभी इवनिंग स्नैक टाइम पर जब हल्की भूख लगती है तो ऐसे में केले का शेक आपको फुलर अहसास करवाता है। केले का शेक बनाने में बहुत अधिक समय भी नहीं लगता है और यह बहुत अधिक टेस्टी भी होता है, इसलिए हर कोई इसे पीना काफी पसंद करता है।
लेकिन क्या आपको पता है कि केले के शेक को सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। केला और दूध एक अच्छा कॉम्बिनेशन नहीं है। हालांकि, दोनों ही अपने आप में बेहद पौष्टिक हैं, लेकिन इन्हें एक अच्छा फूड कॉम्बिनेशन नहीं माना जाता है। जब केले को दूध में ब्लेंड करके उसका शेक बनाया जाता है तो इससे आपकी सेहत को कुछ नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि केले का शेक बनाकर पीना एक अच्छा आइडिया क्यों नहीं है-

बढ़ सकता है वजन

अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो ऐसे में केले का शेक पीना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है। केले के शेक में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, खासकर अगर इसे फुल-फैट दूध, चीनी या आइसक्रीम के साथ बनाया जाए। इन्हें बार-बार पीने से आपका वजन बढ़ सकता है।

ब्लड शुगर हो सकता है स्पाइक

अगर आपको डायबिटीज या इंसुलिन रेसिस्टेंस की शिकायत है तो ऐसे में आपको केले का शेक बनाकर पीने से परहेज करना चाहिए। केले में नेचुरल शुगर होती है और जब इसे शेक के रूप में दूध के साथ ब्लेंड करके पिया जाता है, तो यह शुगर ब्लडस्ट्रीम में तेजी से अब्जॉर्ब हो जाती है। कई बार इसमें हम स्वीटनर या अन्य हाई शुगर फ्रूट को भी शामिल कर लेते हैं, जिससे आपकी स्थिति और भी खराब हो सकती है।

डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं

अगर आप केले का शेक अधिक मात्रा में लेते हैं तो इससे आपको डाइजेशन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि केले में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। जब लोग जरूरत से ज्यादा केले का शेक पीते हैं तो उन्हें ब्लोटिंग, गैस या कब्ज की शिकायत हो सकती है। इतना ही नहीं, अगर आप लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ऐसे में केले को दूध के साथ मिलाकर पीने से आपको काफी परेशानी हो सकती है।

कैविटी का बढ़ जाता है रिस्क

केले में नेचुरल शुगर होती है, और जब शेक के रूप में इसे लिक्विड फॉर्म में पिया जाता है तो इससे वे दांतों पर चिपक सकते हैं। जिससे कैविटी का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। खासतौर से, अगर आप ओरल हाइजीन का सही तरह से ख्याल नहीं रखते हैं तो ऐसे में समय के साथ आपको दांतों से जुड़ी अन्य समस्याएं जैसे प्लाक बनने और दांतों की सड़न की शिकायत भी हो सकती है।

गाजा में खाना बांटते समय फिर गोलीबारी, 32 मौतें

232 लोग घायल, अस्पतालों में जगह कम पड़ी; इजराइली सेना पर आरोप

एजेंसी

गाजा, दक्षिणी गाजा में रविवार को खाना बांटने के दौरान फिर से गोलीबारी हुई जिसमें 32 फिलिस्तीनी लोगों की मौत हो गई है। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने कहा है कि दक्षिणी गाजा के राफा शहर में रविवार को एक सहायता वितरण केंद्र के पास इजराइली सेना ने गोलीबारी की। इसमें 31 लोगों की मौत हो गई वहीं, 200 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा मध्य गाजा के नेत्जारिम कॉरिडोर में भी एक सहायता केंद्र पर गोलीबारी की गई। इसमें 1 फिलिस्तीनी शख्स की मौत हो गई है, जबकि 32 लोग घायल हैं। गाजा में खाना बांटने का काम एक अमेरिकी एजेंसी जीएचएफ चला रही है। हालांकि इजराइली सेना ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि सहायता वितरण केंद्र के पास उनके सैनिकों की गोलीबारी से कोई घायल हुआ हो। सेना ने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में 27 मई से 1 जून तक खाना बांटने के

दौरान हुई गोलीबारी में 49 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट के एक स्वास्थ्यकर्मी ने अल जजीरा को बताया कि जब गोलीबारी हुई, उस वक्त बड़ी संख्या में लोग राफा इलाके में खाना लेने के लिए जमा हुए थे। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कुल 179 लोग घायल हुए हुए हैं, जिनमें 30 की हालत गंभीर है। इतने लोगों के घायल होने से अस्पतालों में काफी भीड़ हो गई है और इमरजेंसी वार्ड, ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू में जगह की कमी हो गई है। जीएचएफ नाम की इस संस्था को अमेरिका और इजराइल का समर्थन मिला हुआ है। यह संगठन तब शुरू किया गया जब इजराइल ने यह आरोप लगाया कि हमास गाजा में आने वाली मदद को चुरा रहा है और बेच रहा है। मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है और इजराइल ने भी कोई प्रमाण सार्वजनिक रूप से नहीं दिया है। संयुक्त राष्ट्र की सहायता एजेंसियों ने जीएचएफ की मदद पहुंचाने के तरीके की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह तरीका मानवीय नियमों का उल्लंघन करता है और फिलिस्तीनियों को खतरे में डालता है। हाल के दिनों में जब हजारों भूखे लोग जीएचएफ के वितरण केंद्रों पर पहुंचे, तो अफरातफरी मच गई और इसके चलते इजराइल और जीएचएफ की आलोचना और बढ़ गई। जीएचएफ का दावा है कि उसने पिछले छह दिनों में लगभग 4.7 मिलियन भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए हैं और रविवार को ही 16 ट्रकों के जरिए 887,000 से ज्यादा भोजन के पैकेट बांटे गए। उन्होंने कहा कि यह सब बिना किसी परेशानी के किया गया और मौतों या घायल होने की खबरें झूठी और बनाई हुई हैं। इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ अपना सैन्य अभियान तेज कर दिया था। शनिवार और रविवार (24-25 मई 2025) को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 182 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इजराइल सेना के हमले में बीते एक हफ्ते में 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

7 अक्टूबर 2023 से शुरू इजराइल-हमास जंग में अब तक 55,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें हजारों बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग शामिल हैं।

कर्ज वसूली में चीन सबसे बड़ा देश

बी.आर.आई के कर्ज जाल में 150 देश; गरीब देशों पर 94 लाख करोड़ बकाया

एजेंसी

बीजिंग, चीन दुनिया में सबसे बड़ा ऋण वसूलने वाला देश बन गया है। ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के मुताबिक 2025 में विकासशील देशों से चीन रिकॉर्ड 3 लाख करोड़ रु. वसूलेगा। 1.9 लाख करोड़ तो 75 सबसे गरीब देश देंगे। विकासशील देशों पर चीन के कुल 94 लाख करोड़ रु. बकाया हैं। ये कर्ज एक दशक पहले बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बी.आर.आई) के तहत दिए थे। चीनी दबाव के चलते इन देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा बजट पर खतरा मंडरा रहा है। 46 गरीब देशों ने 2023

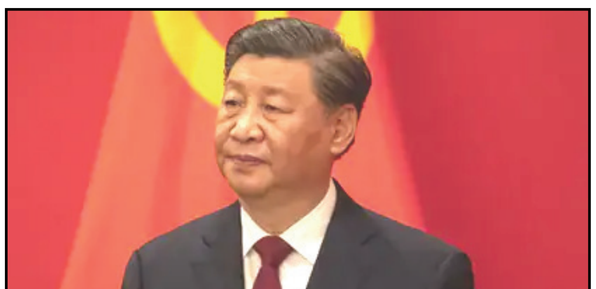

में अपने टैक्स का 20% हिस्सा कर्ज चुकाने पर खर्च किया। विकासशील देश चीन को कर्ज अदायगी और ब्याज भुगतान की लहर से जूझ रहे हैं। चीन की आक्रामक कर्ज रणनीति बी.आर.आई से शुरू हुई। 2013 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग इसे लाए। 150 देश इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। ये देश वैश्विक जीडीपी का 40% हिस्सा हैं। 42 देशों पर चीनी कर्ज का बोझ उनकी जीडीपी के 10% से अधिक है। 2017 में चीन विश्व बैंक व आईएमएफ को पीछे छोड़ दुनिया का सबसे बड़ा ऋणदाता बना। 80% सरकारी कर्ज विकासशील विकासशील देशों को गए। 55% कर्ज रि पेमेंट चरण में। 2030 तक 75% होंगे। 2022 तक 60% चीनी कर्ज वित्तीय संकट वाले देशों को गया। 2010 में यह आंकड़ा 5% था। ब्याज 4.2% से 6% तक है। जबकि, ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट की दर 1.1% है। ऊंचे ब्याज से कई देशों को कर्ज चुकाने में दिक्कतें होती हैं। 50% से गरीब और कमजोर देश उच्च जोखिम में हैं या पहले से फंसे हैं। 53 देशों का चीन सबसे बड़ा कर्जदाता। 33 लाख करोड़ का कर्ज वर्ल्ड बैंक से भी छिपा। पाकिस्तान- 2024 में चीन ने 17 हजार करोड़ रु. के ऋण की परिपक्वता बढ़ाई। यह ऋण पुनर्गठन की प्रक्रिया में है। अंगोला- मार्च 2024 में चीन के साथ मासिक भुगतान कम करने पर सहमति बनी। श्रीलंका- 2022 में डिफॉल्ट कर चुका है। इसके चलते अपना हंबनटोटा पोर्ट 99 साल की लीज पर चीन को देना पड़ा। जाम्बिया- 2020 में डिफॉल्ट हो चुका है। ऋण पुनर्गठन की बातचीत जारी है। चीन इस देश का प्रमुख कर्जदाता है। लाओस- यह देश वित्तीय तनाव में है। उसका कर्ज जीडीपी के 100% को पार कर चुका है।

शेख हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध का मुकदमा शुरू

बांग्लादेश में ट्रायल टीवी पर लाइव दिखा रहे; तख्तापलट के बाद से भारत में हैं हसीना

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध से जुड़े आरोपों में ट्रायल शुरू हो गया है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) में रविवार को इन आरोपों को औपचारिक तौर पर दर्ज किया गया। चीफ प्रॉसिक्यूटर ताजुल इस्लाम ने ट्रिब्यूनल में ये आरोप दर्ज कराए हैं। आईसीटी के प्रॉसिक्यूटर गाजी मनोवार हुसैन तमीम ने डेली स्टार को यह जानकारी दी है।

12 मई को ट्रिब्यूनल की जांच एजेंसी ने हसीना के खिलाफ अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें जुलाई 2024 में आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के पांच आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक आंदोलन के दौरान 1500 से अधिक लोग मारे गए जबकि 25 हजार से ज्यादा घायल हुए थे। 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा (जेयूडी) के कुछ आतंकियों ने दावा किया है कि उन्होंने पिछले साल बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भूमिका निभाई थी। इसकी वजह से प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटना पड़ा था। पीटीआई के अनुसार, ये बयान जेयूडी आतंकी सैफुल्लाह कसूरी और मुजम्मिल हाशमी ने अपने भाषणों के दौरान दिए बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। बांग्लादेश सरकार ने जुलाई में हुई हत्याओं की वजह से शेख हसीना का पासपोर्ट भी रद्द कर दिया है। वहीं बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। ट्रिब्यूनल ने हसीना को 12 फरवरी तक पेश होने का निर्देश दिया था। बांग्लादेश भारत से हसीना को डिपोर्ट करने की अपील भी कर चुका है। हालांकि भारत सरकार उनका वीजा बढ़ा चुकी है, जिससे यह साफ हो गया कि उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट नहीं किया जाएगा। बांग्लादेश पुलिस ने इस साल अप्रैल में इंटरपोल से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की थी। हसीना के अलावा 11 अन्य लोगों के खिलाफ भी ऐसी ही मांग की गई। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में हुए तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने शेख हसीना, उनके पूर्व मंत्रियों, सलाहकारों और अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के आरोप थे। इंटरपोल का रेड नोटिस किसी व्यक्ति को ढूंढ़ने और उसे प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई से पहले अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में मदद करता है।

शरीफ बोले- चीन-सऊदी नहीं चाहते हम वहां भीख मांगने जाएं

आसिम मुनीर और मैं आखिरी इंसान जो यह बोझ उठाना चाहते हैं

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के दोस्त मुल्क नहीं चाहते हैं कि हम उनसे भीख मांगने जाए। यह बात उन्होंने क्वेटा में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में सैनिकों संबोधित करते हुए कही। शरीफ ने कहा- चीन, सऊदी अरब, तुर्किये, कतर, वअए सब पाकिस्तान के भरोसेमंद दोस्त हैं। वे हमसे उम्मीद करते हैं कि हम उनके साथ ट्रेड, कॉमर्स, इनोवेशन, डेवलपमेंट,

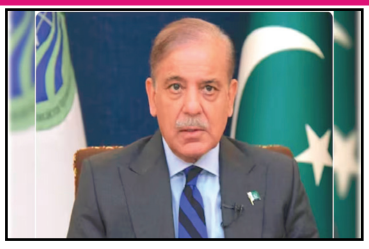

शिक्षा, स्वास्थ्य, और इन्वेस्टमेंट में शामिल हों। उन्होंने जोर देकर कहा- वे अब और नहीं चाहते कि हम उनके यहां भीख का कटोरा लेकर जाएं। शरीफ ने आगे कहा- आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मैं आखिरी इंसान हूं जो इस बोझ को अपने कंधों पर उठाना चाहता है। आखिर में बोझ इस देश के कंधों पर आता है। शरीफ ने कहा कि हमें नेचुरल रिसोर्सेज का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए और उन्हें सही कामों में लगाना चाहिए। क्वेटा में ही एक अन्य कार्यक्रम में शरीफ ने कहा कि बलूचिस्तान में आतंकवादियों ने जिन लोगों को भटकाया है उन्हें सही रास्ते पर लाना जरूरी है। आतंकवादियों को न तो जनता, न सरकार और न ही सेना बर्दाश्त करेगी। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान की दिक्कतों को बातचीत के जरिए हल करने की जरूरत है। अगर कोई चिंता है, तो भाइयों को एक साथ बैठकर उसे हल करना चाहिए। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भी शुक्रवार को क्वेटा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में भाषण दिया था। इस दौरान उन्होंने कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कश्मीर में भारत की तरफ से बनाए जा रहे हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई थी। मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान को कभी भी दबाया नहीं जा सकता। सेना प्रमुख ने भारत के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अपने देश की रक्षा के लिए पाकिस्तानी लोग लोहे की दीवार बन गए।

केंद्र से टकराव के मूड में डीएमके, तमिल विरोधी रवैए का लगाया आरोप

एजेंसी

बैठक में कुल 27 प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें तमिलनाडु को मिलने वाली धनराशि से इनकार करने पर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की गई.

चेन्नईः तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की वार्षिक महासमिति की बैठक इस साल मदुरै में आयोजित की गई. यह पहली बार था जब 1977 के बाद मदुरै में इतनी बड़ी पार्टी बैठक हुई. मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में हुई इस बैठक में लगभग 7,000 लोगों ने हिस्सा लिया. इस दौरान दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी गई और पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई. केंद्र सरकार की आलोचनाबैठक में केंद्र सरकार की तमिलनाडु को मिलने वाले वित्तीय संसाधनों की आपूर्ति रोकने के फैसले की निंदा की गई. इसके साथ ही हिंदी थोपने की केंद्र की नीति और तमिल भाषाई चेतना पर होने वाले दबाव पर कड़ा विरोध जताया गया. डीएमके ने कीझाडी उत्खनन रिपोर्ट जारी न करने और रेलवे परियोजनाओं में तमिलनाडु की उपेक्षा को भी केंद्र सरकार की तमिल विरोधी मानसिकता का उदाहरण बताया. इसके अलावा मुसलमानों की संपत्तियों पर लागू वक्फ संशोधन अधिनियम और संघ के जांच निकायों के दुरुपयोग को भी भाजपा सरकार की आलोचना का विषय बनाया गया. तमिलनाडु की प्रगति और सामाजिक कल्याण पर जोर

इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि की जयंती को शास्त्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया. साथ ही द्रविड़ मॉडल सरकार की महिलाओं, किसानों, मछुआरों, बुनकरों और सभी वर्गों के जीवन में सुधार के लिए सराहना की गई. उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के काम को भविष्य की उम्मीद के रूप में स्वीकार करते हुए उनके समर्थन की भी अपील की गई. डीएमके ने कहा कि वह तमिल समुदाय की पहचान और गौरव को बढ़ावा देने वाली सरकार है. भाजपा औरडीएमकेपर कड़ा प्रहार, चुनावी तैयारी तेजबैठक में भाजपा सरकार को तमिलनाडु और संविधान के खिलाफ षड्यंत्रकारी बताते हुए उसकी निंदा की गई. शासनकाल में हुए पोलाची यौन उत्पीड़न मामले की भी आलोचना की गई और हालिया फैसले का स्वागत किया गया. डीएमके ने 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और डीएमकेको हटाकर सत्ता में वापसी का संकल्प लिया. इसके लिए पार्टी ने फील्ड वर्क और जनसंपर्क तेज करने का निर्णय लिया.

असदुद्दीन ओवैसी ने बताया पाकिस्तान को 'आतंकवादी स्पॉन्सर'

मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड का किया जिक्र

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान की आतंकवाद समर्थक नीतियों को बेनकाब करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

एजेंसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान की खिंचाई करते हुए कहा कि वह आतंकवादियों को प्रायोजित करता है। उन्होंने 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड जकीउर रहमान लखवी का उदाहरण देते हुए कहा कि उसे जेल में रहते हुए विशेष सुविधाएं दी गईं। ओवैसी ने कहा कि लखवी जैसे हाई-प्रोफाइल कैदी को जेल में रहते हुए पिता बनने की अनुमति दी गई, जो पाकिस्तान की दोहरी नीति को दशार्ता है। ओवैसी ने भारतीय प्रवासियों को

संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान की आतंकवाद समर्थक नीतियों को बेनकाब करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। ओवैसी ने कहा, 'जकीउर रहमान लखवी नाम का एक आतंकवादी था, दुनिया का कोई भी देश आतंकवाद के आरोप का सामना कर रहे आतंकवादी को जेल से बाहर आने की अनुमति नहीं देगा। लेकिन वह जेल में रहते हुए एक बेटे का पिता बन गया। हालांकि, पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट (एफएटीएफ की) में डालने के तुरंत बाद मुकदमा आगे बढ़ गया।' उन्होंने वैश्विक समुदाय और वैश्विक आतंकवाद विरोधी वित्तपोषण निकाय से पाकिस्तान को फिर से ग्रे सूची में डालने का आग्रह किया, ताकि उसके पंख काटे जा सकें। ओवैसी ने आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की, उन्होंने कहा कि वे निर्दोष लोगों की हत्या करके इस्लाम के सिद्धांतों के विरुद्ध काम कर रहे हैं। ओवैसी ने अल्जीरिया में कहा, 'पाकिस्तान तकफीरिज्म का केंद्र है और पाकिस्तान में आतंकवादी समूहों और दाएश और अल-कायदा के बीच विचारधारा में कोई अंतर नहीं है। उनका मानना है कि उनके पास धार्मिक स्वीकृति है, जो पूरी तरह से गलत है। इस्लाम किसी भी व्यक्ति की हत्या की अनुमति नहीं देता है, और दुर्भाग्य से, यही उनकी विचारधारा है।' ओवैसी 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 पर्यटकों की हत्या का जिक्र कर रहे थे, जहां हिंदू पुरुषों को निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इस्लाम में 'तकफीरिज्म' या 'तकफीरी' विचारधारा के लिए कोई जगह नहीं है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने वन नेशन वन इलेक्शन को बताया गेमचेंजर, गिनाये फायदे

मसूरी से परिवार के साथ दिल्ली लौटे रामनाथ कोविंद, विभिन्न मुद्दों पर दिया बयान

एजेंसी

मसूरीः पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद वन नेशन वन इलेक्शन को देश के लिए गेम चेंजर बताया है. रामनाथ कोविंद ने कहा वन नेशन वन इलेक्शन लागू होने के बाद देश की जीडीपी बढ़ेगी. रामनाथ कोविंद ने ऑपरेशन सिंदूर पर भी बयान दिया. उन्होंने कहा कहा कि अगर दुश्मन देश नहीं सुधरेगा तो उसी ऑपरेशन सिंदूर की तरह ही जवाब दिया जाएगा.

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद मसूरी प्रवास से आज दिल्ली लौटे. इससे पूर्व उन्होंने कहा वह पहले भी मसूरी आते रहे हैं, परंतु बीच में राष्ट्रपति बने तो उस दौरान उनका मसूरी आना नहीं हुआ. उन्होंने कहा उन्हें मसूरी बहुत ज्यादा पसंद है. उन्होंने कहा मसूरी न केवल एक हिल स्टेशन है बल्कि एक आध्यात्मिक केंद्र है. यहां पर सुख भी है

शांति भी है. यह बहुत अच्छी जगह है. इसलिए इसको क्वीन आफ हिल्स कहा जाता है. उन्होंने मसूरी में आने वाले पर्यटकों और मसूरी वालों से पर्यावरण को बनाये रखने की अपील की.रामनाथ कोविंद ने कहा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता सही मानने में देश की एकजुट का प्रतीक है. हर देशवासी को लगता है कि हमें दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए था. वह जवाब दिया भी गया है. सेना के शौर्य और पराक्रम को हम सब नमन करते हैं. रामनाथ कोविंद ने कहा वन नेशन वन इलेक्शन का काम काफी आगे बढ़ चुका है. वन नेशन वन इलेक्शन गेम चेंजर की भूमिका निभाएगा.

तेजप्रताप ने लालू-राबड़ी को बताया अपनी दुनिया

'लालची लोगों' पर साजिश का आरोप भी लगाया

तेज प्रताप ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे प्यारे मम्मी पापा.... मेरी सारी दुनिया बस आपदोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश।आप है तो सबकुछहै मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछऔर। पापा आप नही होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछजयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आपदोनो स्वस्थ और खुश रहे हमेशा।'

एजेंसी

पारिवारिक कलह के बीच तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए कहा है कि उनके माता-पिता, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी, ही उनकी पूरी दुनिया हैं। इस पोस्ट में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ 'लालची लोगों' ने उनके खिलाफ साजिश रची है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है जब लालू प्रसाद यादव ने कथित तौर पर अनुष्का यादव के साथ अपने रिश्ते का खुलासा करने के बाद अपने बड़े बेटे तेजप्रताप को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और परिवार से बेदखल कर

दिया था।तेज प्रताप ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे प्यारे मम्मी पापा.... मेरी सारी दुनिया बस आपदोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश।आप है तो सबकुछहै मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और। पापा आप नही होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आपदोनो स्वस्थ और खुश रहे हमेशा।'

मेरे प्यारे मम्मी पापा....

मेरी सारी दुनिया बस आपदोनों में ही समाई है।भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश।आप है तो सबकुछ है मेरे पास।मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए ना कि कुछ और।पापा आप नही होते तो ना ये पार्टी होती और ना मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे एक अन्य पोस्ट में, तेज प्रताप ने लिखा, 'मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो लेकिन खुद कृष्ण को नही। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। बस मेरे भाई भरोषा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा।